+91 7014373732 marudharnews.com info@marudharnews.com
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
हिन्दुस्तान की नई आवाज
# मरुधर हिन्द
CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरुधर हिन्द अब एक नए अंदाज में
वर्ष : 03 | अंक : 170 | जयपुर, रविवार 24 जून 2022 | कुल पेज : 6





राष्ट्रपति का विदाई समारोह आयोजित

## विपक्षी पार्टियों को जातिगत और परिवारवादी राजनीति से ऊपर उठने की जरूरतः कोविंद

**नई दिल्ली।** संसद भवन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रपति कोविंद का विदाई समारोह हुआ। रविवार यानी 24 जुलाई की मध्यरात्रि को उनका कार्यकाल कल पूरा हो रहा है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और दोनों सदनों के सांसद भी शामिल हुए। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सेंट्रल हॉल में पहुंचते ही पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप सबसे विदाई ले रहा हूं, मेरा ह्दय द्रवित है, लेकिन इस बात का संतोष है कि मैंने अपनी पूरी क्षमता से कर्तव्यों का निर्वहन किया। देश की सेवा करने का मुझे जो मौका मिला है, उसके लिए देशवासियों का सदैव आभारी रहूंगा। आज देश विकास की राह पर है, विपक्षी पार्टियों को भी जातिगत और परिवारवादी राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा अगर आप सरकार की किसी नीति से असहमत हैं तो संविधान में आपको विरोध प्रकट करने का अधिकार है। महात्मा गांधी ने विरोध प्रकट करने के लिए देश को अहिंसा का मार्ग दिखाया। हमें उनके विचारों और सीख को याद रखने की जरूरत है। कोरोना काल में हमने लोगों को फ्री राशन दिया। कोरोना काल में भारत ने जिस तरह से काम किया, वह सराहनीय है। पीएम मोदी और मंत्रिमंडल से मुझे जो सम्मान मिला, उसके लिए सभी का धन्यवाद।

### कोटा, टोंक, बूंदी, जयपुर में 5 इंच तक बरसात

# जयपुर में सड़क पर तैरीं गाड़ियां, सूखे बांध में भी पानी आया, 15 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

**जयपुर।** राजस्थान में फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। पिछले 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान के 10 से ज्यादा जिलों में अच्छी बारिश होने से कई जिले तरबतर हो गए। जयपुर, कोटा, टोंक, बूंदी में 5 इंच तक बरसात हुई। राजधानी जयपुर में भी तेज बरसात के बाद सड़क पर कारें तैरती नजर आई और जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग गया। वहीं, सूखे पड़े छापरवाड़ा बांध (जयपुर) में भी अच्छी बारिश के बाद पानी आया है। मौसम विभाग ने राजस्थान के पूर्वी हिस्से में अगले 24 से 48 घंटे के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम केन्द्र जयपुर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा बरसात कोटा के लाडपुरा में 130रूरू हुई। वहीं, कोटा शहर में भी 109रूरूबारिश हुई। कोटा में तेज बारिश के बाद वहां भी कई जगह शहर में पानी भराव की समस्या हुई तो चम्बल का जलस्तर भी बढ़ गया। इसके बाद प्रशासन ने यहां बने कोटा बैराज के बांध से पानी की निकासी को और बढ़ा दिया है। बांध के अब 3 गेट खोलकर यहां से 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया है।

### जयपुर में पानी में तैरती दिखी कारें

राजधानी जयपुर शहर के आसपास पिछले 24 घंटे के दौरान 103रूरूबरसात हुई। बारिश के बाद जयपुर का सीकर रोड नदी में तब्दील नजर आया। यहां कई गाड़ियां डेढ़ से दो फीट पानी में फंसने के बाद तैरती नजर आई। इससे पहले शुक्रवार देर शाम भी सीकर रोड पर तेज बारिश के बाद वॉटर लॉकिंग की समस्या देखने को मिली थी। सी-जोन बाइपास, अजमेर रोड पर कमला नेहरू नगर पुलिया समेत कई जगह पानी भरने से ट्रेफिक संचालन भी धीमा पड़ गया।

### सूखा पड़े छापरवाड़ा बांध में आया पानी

जयपुर जिले में दूदू के पास बने छापरवाड़ा बांध में भी अच्छी बारिश के बाद पानी आया। मानसून की शुरूआत से पहले बांध पूरी तरह सूखा पड़ा था। बीते 2-3 दिन से हो रही अच्छी बारिश के बाद बांध में 1.06 मिलीयन क्यूबिक मीटर (एमक्यूएम) पानी की आवक हुई, जिससे बांध का गेज 0.76 आरएल मीटर पर पहुंच गया।

**अब आगे क्या?-** जयपुर मौसम केन्द्र से मिली जानकारी के मुताबिक अगले 24 से 48 घंटे के दौरान दौसा, अलवर, सवाईमाधोपुर, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ और अजमेर एरिया में कहीं-कहीं मध्य से भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान जोधपुर, बीकानेर, झुंझुनूं, चूरू, जैसलमेर ,पाली, भीलवाड़ा में भी कहीं-कहीं अच्छी बारिश होने की संभावना है।

*कोटा बैराज के 3 गेट 4-4 फीट खोले गए। 14 हजार 952 क्यूसेक पानी रिलीज किया गया।*

---

**छोटी-बड़ी खबरे...**

## उदयपुर में घर में घुसकर 70 लाख रूपये की चोरी

### महिला के सामने गहने और कैश चोरी कर भागे बदमाश

**उदयपुर।** उदयपुर में बीती रात चोरों ने जमकर आतंक मचाया। चोरों ने खेरवाड़ा के बावलवाड़ा थाना क्षेत्र में देर रात घर से लगभग 70 लाख की गहने और नकदी की चोरी हो गई। बावलवाड़ा में हुई चोरी थाना क्षेत्र की अबतक की सबसे बड़ी चोरी माना जा रहा है। वहीं, फतहनगर के आवरी माता मंदिर में भी चोरी की गई। दोनों मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है।

### अमरनाथ यात्रा पर गए थे घर के मुखिया

बावलवाड़ा में सामने आया कि फूटाला निवासी साकरचन्द अपनी पत्नी के साथ 7 दिन पहले अमरनाथ-कश्मीर यात्रा पर निकले थे। घर पर बेटा-बहू थे। बहू अनिता देवी ने बताया कि रात करीब 10 बजे खाना खाकर घर के दरवाजे बंद कर सो गए थे। करीब दो बजे मेरी अचानक नींद खुली और देखा तो घर के दोनों दरवाजे खुले हुए थे। इस पर मैंने उठकर पास में स्थित रिश्तेदार के घर का दरवाजा खटखटाया। इस पर मेरे घर के अंदर से दो छोटे कद के युवक निकल कर भागते नजर आए।

### जयपुर-दिल्ली हाईवे पर एक्सीडेंट, कार ड्राइवर महिला का सिर कटा

## गड्ढे में टायर गया, बेकाबू होकर डीएसपी की कार से भिड़ंत

**शाहपुरा (जयपुर)।** जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह 7.30 बजे दर्दनाक हादसा हुआ। दो कारों की आमने सामने भिड़ंत में दो सगी बहनों की मौत हो गई। एक बहन कार चला रही थी जिसका एक हाथ व आधा सिर कट गया। हादसा शाहपुरा उपखंड के मनोहरपुर थाना इलाके में हुआ। दिल्ली से जयपुर जा रही कार का टायर गड्ढे में गया तो कार बेकाबू हो गई। कार डिवाइडर पर चढ़कर जयपुर से दिल्ली की तरफ जाती दूसरी कार से जा भिड़ी। हादसे में दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 6 लोग घायल हो गए। मनोहरपुर थाना प्रभारी मनीष कुमार शर्मा ने कहा- एकता होटल के सामने हाईवे पर गहरा गड्ढा बना हुआ है। दिल्ली से जयपुर आ रही कार का टायर गड्ढे में गया। तेज गति में अनकंट्रोल होकर कार दूसरी कार से जा टकराई। सूचना पर हेड कांस्टेबल अवनीश, हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र जाटव, कांस्टेबल दीपचंद, कांस्टेबल प्रकाश ने मौके पर पहुंचे।

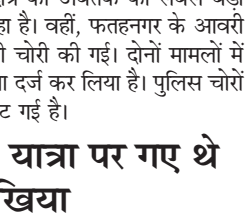



### कार चला रही मोना का एक हाथ व आधा सिर धड़ से अलग

दिल्ली से जयपुर जा रही कार में मोना (29) कार चला रही थी। पति आशीष (30) उसके पास बैठा था। जबकि मोना की छोटी बहन भूमिका पिछली सीट पर बैठी थी। यह परिवार मध्यप्रदेश के मुरैना का है। आशीष गोयल (30) पुत्र अरुण गोयल हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया।

---

### रीट-2022... एंट्री नहीं मिलने पर फूट-फूटकर रोए कैंडिडेट्स

# जोधपुर में सरकारी टीचर सहित 3 फर्जी अभ्यर्थी पकड़े, 3 लाख लेकर डमी बना

**जयपुर।** कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच राजस्थान में रीट की पहली पारी और दूसरी पारी के पहले चरण की परीक्षा शनिवार को खत्म हो गई है। नकल और पेपर लीक को रोकने के लिए पुलिस की सेंटर्स के साथ उसके आसपास के एरिया में भी कड़ी नजर रही, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी जोधपुर में फर्जी कैंडिडेट्स सेंटरों तक पहुंचने में कामयाब रहे। हालांकि, एग्जाम खत्म होने से पहले इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, बीकानेर पुलिस ने दो ऐसे युवकों को पकड़ा है, जो सेंटर में मौजूद कैंडिडेट को नकल करवाने के प्रयास में थे। इनके पास से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी जब्त किए गए हैं।

इधर, परीक्षा में 5 मिनट की देरी पर भी सेंटर पर एंट्री नहीं दी गई। कहीं बोर्ड ने गलती से प्रवेश पत्र में एड्रेस गलत लिखा, कहीं मौसम ने रास्ता रोका तो कहीं बच्चों को संभालने में अभ्यर्थी अपने सेंटर से चंद कदम की दूरी पर रह गई।

### किसी ने पैर पकड़े; कोई मिन्नतें करती रही, बोली- बच्चे को दूध पिलाने में लेट हुई

**सरकारी टीचर परीक्षा देता पकड़ा गया-** जोधपुर डीसीपी गौरव यादव ने बताया कि पहली पारी की परीक्षा में तीन फर्जी कैंडिडेट पकड़े गए हैं। इनमें से एक बाड़मेर का सरकारी स्कूल टीचर है। आरोपी का नाम जूंजाराम बिश्नोई है और इसने डमी कैंडिडेट बनने के ऐवज में तीन लाख रुपए लिए थे। यादव ने बताया कि आरोपी बाड़मेर के धोरीमन्ना का रहने वाला है। वह बाड़मेर के सेड़वा निवासी प्रेम प्रकाश की जगह एग्जाम देने आया था। वहीं, उम्मेद कन्या स्कूल में ओसियां क्षेत्र के हणिया गांव निवासी पविताश विश्नोई के स्थान पर भोजासर निवासी महेश कुमार बिश्नोई परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। तीसरा फर्जी विद्या पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विकास विश्नोई के स्थान पर पाली जिले के जैतारण निवासी दिनेश गुर्जर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया।

### नकल कराने के प्रयास में थे

बीकानेर में भी पुलिस ने नकल कराने की कोशिश में लगे दो आरोपियों को पकड़ा है। मामला जयनारायण व्यास कॉलोनी का बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार पुलिस की टीमें इन युवकों पर सुबह से ही नजर रख रही थीं। दोनों आरोपी प्रदीप चौधरी और दिनेश चौधरी को पहली पारी की एग्जाम शुरू होने से कुछ समय पहले ही गिरफ्तार किया गया।

एंट्री नहीं मिलने पर कई महिला अभ्यर्थी फूट-फूटकर रोने लगीं। कोई गेट पर मौजूद स्टाफ से गुहार लगाती रही तो कोई पुलिसवालों के पैर पकड़ने लगी। कई साल की मेहनत और कई तरह की चुनौतियों के बाद परीक्षा के वक्त चंद मिनट की देरी ने सपनों पर पानी फेर दिया।

# एमपी के कांवड़ियों पर चढ़ाया डंपर, 6 की मौत

### यूपी से ग्वालियर लाए गए सभी 6 शवों को रखकर चक्काजाम

**ग्वालियर।** मध्यप्रदेश के 7 कांवड़ियों को उत्तरप्रदेश के हाथरस में डंपर ने रौंद दिया। 5 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। ये सभी हरिद्वार से गंगाजल लेकर ग्वालियर लौट रहे थे। मृतक कांवड़िये ग्वालियर के उटीला थाना इलाके के बांगीपुरा गांव के रहने वाले थे। कांवड़ियों के शव ग्वालियर लाए गए हैं। गांववालों और परिजन ने बड़ागांव खुरैरी में रोड पर सभी 6 शव रखकर चक्काजाम कर दिया है। घटना शुक्रवार देर रात सवा दो बजे की बताई जा रही है। मौके पर मौजूद एक कांवड़िये ने बताया कि हम एक ढाबे पर खाना खा रहे थे, तभी ड्राइवर ने डंपर चढ़ा दिया। हादसा हाथरस में कोतवाली गया है।



सादाबाद बढ़ार चौराहे पर हुआ। आगरा जोन के एडीजी राजीव कृष्ण ने बताया कि घटना के बाद ड्राइवर डंपर लेकर भाग निकला। 42 लोगों का जत्था एक साथ गंगाजल लेकर जा रहा था। हादसे में जबर सिंह (28), रनवीर सिंह (30), मनोज पाल सिंह (30), रमेश पाल (30), नरेश पाल (45) और विकास की मौत हुई है। हाथरस डीएम रमेश रंजन ने सभी मृतक कांवड़ियों के परिजन को 1-1 लाख रुपए की मदद देने की घोषणा की है। हादसे में घायल अभिषेक पाल (19) को ग्वालियर लाकर बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

## खनन के खिलाफ आत्मदाह करने वाले संत की मौतःबरसाना में अंतिम संस्कार; भाजपा ने बनाई हाईलेवल जांच कमेटी, कल सदस्य करेंगे दौरा



**भरतपुर।** भरतपुर के पसोपा इलाके में चल रहे अवैध खनन को लेकर धरने के बीच खुद को आग लगाने वाले संत विजय दास का नई दिल्ली में देर रात 3 बजे निधन हो गया। वह सफदरजंग हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में एडमिट थे। संत को क्रिटिकल हालत में दो दिन पहले ही जयपुर से शिफ्ट कराया गया था। संत ने 20 जुलाई को आत्मदाह किया था। 22 जुलाई की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संत विजय दास की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और पार्टी की एक हाई लेवल कमेटी गठित कर दी है। संत का पार्थिव शरीर नई दिल्ली से दोपहर साढ़े 3 बजे भरतपुर के कामां पहुंचा। यहां से बाबा विजय दास के पार्थिव शरीर को विमल कुंड ले जाया गया। विमल कुंड के परिक्रमा लगवाई गई। लोगों ने बाबा के अंतिम दर्शन कर पुष्प अर्पित किए। बाबा के अंतिम दर्शन करने के लिए अलवर सांसद बाबा बालक नाथ, भरतपुर सांसद रंजीता कोली समेत कई विधायक, नेता, संगठन व समाज के लोग कतार में खड़े रहे। यहां से संत विजय दास का शव यूपी के बरसाना शाम 4 बजे पहुंचा। जहां उनकी 16 साल की पोती को संत के अंतिम दर्शन कराए गए। शाम 6 बजे के करीब संत का अंतिम संस्कार माताजी गौशाला में किया गया। संत को मान मंदिर के साधु दीनदयाल दास ने मुखाग्नि दी। दीनदयाल करीब डेढ़ साल से बाबा विजय दास के साथ थे। उनके अंतिम संस्कार में सैकड़ों लोग और साधु-संत शामिल हुए। संत के शव के पहुंचने से पहले जिले के डीएम नवनीत सिंह चहल और एसएसपी अभिषेक यादव माताजी गौशाला पहुंच गए थे।

## ममता के मंत्री को 2 दिन की रिमांडः शिक्षक भर्ती केस में ईडी ने मांगी थी पार्थ चटर्जी की कस्टडी, करीबी अर्पिता भी अरेस्ट

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी को दो दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। शिक्षक भर्ती घोटाले में चटर्जी को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले जांच एजेंसी ने उनसे 24 घंटे तक पूछताछ की थी। पार्थ के साथ उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को भी ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को अर्पिता के घर से 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम बरामद की थी। ईडी ने मंत्री पार्थ को गिरफ्तार करने के बाद कोलकाता के एक अस्पताल में उनका मेडिकल टेस्ट कराया था। इसके बाद जांच एजेंसी के कोलकाता ऑफिस ले जाकर उनसे सवाल-जवाब किए गए थे। दोपहर में ईडी ने उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगी थी, जिसके बाद अदालत ने मुखर्जी को दो दिन के लिए जांच एजेंसी की रिमांड पर भेज दिया।

### मंत्री की गिरफ्तारी से नाराज विधानसभा स्पीकर

कद्दावर मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। विधानसभा में स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि किसी भी विधायक की गिरफ्तारी की सूचना स्पीकर को देना श्ष्ठ का कर्तव्य है। अभी तक मुझे पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी की कोई सूचना नहीं मिली है। मुझे सूचना दिए बिना उन्हें गिरफ्तार करना गलत है।

---

### 2021-22 में सरकार ने दी सिर्फ 242 करोड़ की सब्सिडी, एक साल पहले ये रकम 11,896 करोड़ थी

# एलपीजी सब्सिडी बंद कर सरकार ने बचाए 11,654 करोड़

**नई दिल्ली।** रसोई गैस सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी को सरकार धीरे-धीरे खत्म कर रही है। सब्सिडी बंद करके सरकार ने अपने खजाने में करोड़ों रुपए जमा किए हैं। 2020-21 में केंद्र सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के रूप में 11,896 करोड़ रुपए खर्च किए थे, वहीं 2021-22 में यह खर्च घटकर महज 242 करोड़ रुपए रह गया है। इस तरह सब्सिडी को खत्म कर सरकार ने सिर्फ एक वित्त वर्ष में ही 11,654 करोड़ रुपए बचा लिए।

**4 साल में 23,464 करोड़ से 242 करोड़ पर आई-** पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, वित्तवर्ष 2017-18 में एलपीजी सब्सिडी पर 23,464 करोड़ रुपए खर्च हुए थे, जो वित्त वर्ष 2018-19 में 37,209 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसके बाद सरकार ने लोगों से सब्सिडी छोड़ने की अपील की और करोड़ों ग्राहकों ने इस अपील पर सब्सिडी छोड़ दी, जिससे वित्तवर्ष 2019-20 में सरकार का खर्च घटकर 24,172 करोड़ पर आ गया। 2020-21 में इसमें करीब 50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई और सब्सिडी का खर्च घटकर 11,896 करोड़ रुपए रह गया।

### जून 2020 से सिर्फ उज्जवला योजना वालों को मिल रही सब्सिडी

जून 2020 में सरकार ने फैसला किया था कि गैस सिलेंडर पर सब्सिडी सिर्फ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के लाभार्थियों को ही दी जाएगी। इससे सब्सिडी पाने वाले लोगों की संख्या में भरी कमी आई है। सरकार ने PMUY लाभार्थियों के लिए एक साल में 12 रीफिल तक के लिए 200 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी शुरू की है। सिलेंडर पर सब्सिडी लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाती है।

### 1 साल में 218.50 रुपए महंगा हुआ गैस सिलेंडर

दिल्ली में 23 जुलाई 2021 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 834.50 रुपए थी, जो अब 1053 रुपए पर पहुंच गई है। यानी बीते एक साल में घरेलू गैस सिलेंडर कीमत 218.50 रुपए बढ़ी है। इस पर मिलने वाली सब्सिडी भी खत्म कर दी गई है।

**देश में 30 करोड़ लोगों के पास एलपीजी कनेक्शनः-** भारत में लगभग 30 करोड़ लोगों के पास एलपीजी कनेक्शन है। इसमें उज्ज्वला योजना के तहत 9 करोड़ से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन शामिल हैं।

## वाहन चालकों सहित राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

**मुंडावर।** उपखण्ड छेत्र के सोडावास कस्बे में बस स्टैंड अलवर बहरोड मार्ग से मुंडावर अजरका जाने वाला सड़क मार्ग पर बारिश का पानी एकत्रित हो जाता है पानी निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने से सड़क पर पानी भरा रहता है । जिसके चलते राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है । कई बार वाहन चालक व राहगीर फिसल कर चोटिल हो चुके हैं । पूर्व सरपंच सूरजभान बोहरा, प्रदीप शेरावत,राजेन्द्र पँच, राकेश लक्ष्मण कोक, कल्याण चौधरी, सुबेसिंह कृष्ण सैन, रामप्रसाद जाट,बिल्लु धर्मवीर प्रजापत, पवनसिंह चौहान ने इस संबंध में पीडब्ल्यूडी प्रशासन को अवगत करवाकर समस्या समाधान की मांग की है । किंतु समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

## पशु टीकाकरण शिविर का आयोजन

मरुधर हिन्द/हवासिंह चौधरी

**मुंडावर।** उपखण्ड छेत्र के कृषि विज्ञान केंद्र गूंता की ओर से नाथूसर गांव में पशु टीकाकरण शिविर का आयोजन पशुपालन विभाग के साथ मिलकर किया गया। केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉक्टर अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि बारिश के मौसम में पशुओं में मुख्यता गलघोटू एवं लंगडिया बुखार जैसी बीमारियां हो जाती हैं । यदि पशुपालक अपने पशुओं में इन बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण करवा लेते हैं तो उनके पशु इन बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं । और उन्हें आर्थिक हानि नहीं उठानी पड़ती है । उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में वातावरण में नमी एवं आद्रता ज्यादा होने की वजह से पशुओं में विभिन्न प्रकार के रोग फैलने लगते हैं एवं उनके शरीर के ऊपर छोटी-छोटी फुंसियों से बड़े फफोले बन जाते हैं । जिससे पशुओं की मृत्यु भी हो सकती है । इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण एवं डिवर्मिंग शिविर का आयोजन किया गया । टीकाकरण शिविर में गलगोटू, खुरपका, मुंहपका, लंगडिया बुखार के टीके गाय, भैंस एवं बकरियों में लगाए गए । इस शिविर में 47 पशुपालकों ने भाग लेकर 254 पशुओं का टीकाकरण किया गया। शिविर में केंद्र के शस्य विज्ञान विशेषज्ञ बजरंग लाल एवं पौध संरक्षण विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

## विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा आज राष्ट्रपति पद पर पहली जनजातीय महिला द्रोपदी मुर्मु के निर्वाचन पर सार्वजनिक रूप से आयोजन कर हर्ष प्रकट किया गया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

**बांसवाड़ा।** विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा आज राष्ट्रपति पद पर पहली जनजातीय महिला द्रोपदी मुर्मु के निर्वाचन पर सार्वजनिक रूप से आयोजन कर हर्ष प्रकट किया गया।बांसवाड़ा के महात्मा गांधी चौराहे पर विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने एकत्र होकर एक दूसरे को बधाई दी व राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक तिरंगा ध्वज लहरा कर हर्ष प्रकट किया ,लड्डू बाट कर मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर सिंधी समाज पंचायत के अध्यक्ष व रियल स्टेट के वरिष्ठ व्यवसाई अनिल मिठाई विशेष रूप से उपस्थित हुवे और विप्र फाउंडेशन की सोच को सनातन समाज के लिए प्रेरणा देने वाली बताया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष योगेश जोशी,विप्र सरक्षक मंडल सचिव ललित कुमार जोशी,विप्र वाहिनी प्रदेश सचिव विकाश भट्ट,विप्र सरक्षक पार्षद दीपक जोशी,युवा प्रकोष्ठ जिला महा मंत्री अमित दीक्षित,कैलाश जोशी,अशोक पुरोहित,रमेश सेवक बड़गांव,मनोहर जोशी,ललित जोशी,प्रेमनारायण वैष्णव,महेश गृहस्थी,शिवशंकर वैष्णव उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में विप्र फाउंडेशन के नगर अध्यक्ष ईश्वरदास वैष्णव ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारीयो ने वीर स्वतंत्रता सेनानी पंडित चंद्रशेखर आजाद जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा व्यक्त की।वक्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानी आजाद की जीवन को प्रेरणादायक बताया।

## नव निर्वाचित महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को देश का सर्वोच्च पद ग्रहण करने पर दी बधाई

मरूधर हिन्द (पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा)

सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने आज नव निर्वाचित और अति सामान्य जनजातीय परिवार से आने वाली माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई दिल्ली में मिलकर उनको बधाई दी ।

सांसद महोदय ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू का भारत का राष्ट्रपति चुना जाना पूरे देश के लिए अत्यंत गौरव का पल है। द्रौपदी मुर्मू ने विषम परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए आज देश के इस सर्वोच्च पद पर पहुँची है वो हमारे लोकतंत्र की अपार शक्ति को दर्शाता है । मुझे विश्वास है कि भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यकाल देश को और गौरवान्वित करेगा।

गुरु बिन घोर अंधार, गुरु बिन समझ न आवे.....

# दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

**बांसवाड़ा।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान शाखा डूंगरपुर द्वारा संभाग के भिन्न भिन्न क्षेत्रों में डूंगरपुर, सागवाड़ा, बाँसवाड़ा, सलुम्बर,राजसमन्द में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में सभी क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। साध्वी सुश्री स्वाति भारती जी ने में आयोजित भव्य महोत्सव में सदुरु की पहचान बताते हुए कहा कि संसार के द्वंद से बाहर निकालने के लिए जो ज्ञान रूपी प्रकाश से मन की अज्ञानता को दूर कर इस भव को पार करवा दे, वही सच्चा सदुरु है। उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य, श्री रामकृष्ण परमहंस, संत तुलसीदास, संत सहजोबाई, महर्षि अरविंद, स्वामी विरजानंद जी, स्वामी दयानंद सरस्वती, रमण महृषि आदि अनेक दृष्टांत देते हुए सदुरु एवं सच्चे शिष्य की महिमा को उद्घाटित किया। उन्होंने कहा जब एक साधक अपने गुरु के आदर्शो को अपनाने का सच्चा प्रयास करता है , तब होती है सच्ची गुरु पूजा। त्याग और संयम से जब श्रद्धा और प्रेम उत्पन्न होता है तब मन ना सिर्फ गुरु मय होता है बल्कि श्वास- श्वास में सकल विश्व के कल्याण की भावना होती है। इस अवसर पर उन्होंने धर्म ग्रंथों एवं महापुरुषों की वाणी के माध्यम से गुरु पूजा का वास्तविक अर्थ बताया। इस अवसर पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान शाखा दिल्ली की साध्वी सुश्री अवनी भारती जी, साध्वी सुश्री बोध्या भारती जी, साध्वी सुश्री सुबुद्धा भारती जी व साध्वी स्वाति भारती जी ने सद्विचारों द्वारा मानव को उसके वास्तविक लक्ष्य के प्रति जागरूक किया तथा भजन एवं संकीर्तन से वातावरण को आध्यात्मिक ऊंचाइयां दी। भजनों के साथ तबले पर गुरु भाई

ओमप्रकाश जेठवा , ऑक्टोपैड पर गुरु भाई रजत जी, गिटार पर गुरु भाई पवन जी , ढोलक पर गुरु भाई राजेश जी तथा सिंथेसाइजर पर गुरु भाई प्रशांत जी ने संगत दी । कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने दीप प्रज्ज्वलन कर गुरु के प्रति श्रद्धा अर्पित की।

### प्लास्टिक मुक्त अभियान की अनुपालना

साध्वी सुश्री भागीरथी भारतीजी ने बताया कि संस्थान के द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत संस्थान के सेवादारों भाई- बहनों के द्वारा खुद ही सिलाई कार्य करते हुए कपड़े की थैलियां तैयार की गई, जिसमे संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही

सामग्री को इन्हीं कपड़े की थैलियों में ही वितरित कर आम व्यक्ति को भी प्लास्टिक थैलियों का उपयोग नहीं करने हेतु प्रेरित किया गया।

### हजारों पौधों का हुआ वितरण

इस अवसर पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के संस्थापक सर्व श्री आशुतोष जी महाराज के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा अनेक सामाजिक प्रकल्पों के क्रम में हरित धरा मुहिम के अंतर्गत संस्थान द्वारा सत्संग के पश्चात पौधों वितरित करते हुए सत्संग प्रेमियों को हरित धरा मुहिम के लिए संकल्पित किया गया। ये जानकारी ओमप्रकाश जेठवा ने दी।

# 135 किलो की महिला को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में मिला मातृत्व सुख

### शहर के डॉक्टर्स ने किया सफल दुर्लभ केस , महिला को थी कई स्वास्थ्य समस्याएं

**जयपुर।** 27 वर्षीय सरिता (परिवर्तित नाम) के लिए मातृत्व का सुख पाना इतना आसान नहीं था। 135 किलो वजन के साथ अन्य बीमारियों के कारण उनकी प्रेग्नेंसी बेहद हाई रिस्क पर थी लेकिन शहर जवाहर सर्किल के निकट एक हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की टीम के बेहतर मैनेजमेंट की बदौलत उन्हें जुड़वा संतानों का सुख मिला और उनका स्वास्थ्य भी ठीक हैं। हॉस्पिटल की सीनियर गाइनोकोलोजिस्ट डॉ. सत्यंवदा पांडेय ने यह सफल केस किया।

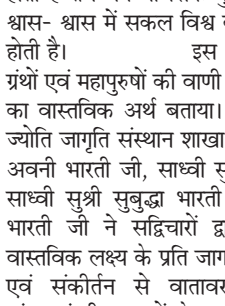

### डायबिटीज, हाइपोथायराइड, हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों ने बढ़ाया रिस्क

डॉ. सत्यंवदा पांडेय ने बताया कि महिला को आईवीएफ तकनीक से प्रेग्नेंसी कंसीव हुई थी। उनका वजन ज्यादा होने के कारण वे अन्य बीमारियां जैसे डायबिटीज, हाइपोथायराइड, हाइपरटेंशन से भी ग्रसित थीं जिसके कारण प्रेग्नेंसी और अधिक हाई रिस्क पर थी। उन्हें जुड़वा बच्चे थे। चौथे महीने में उन्हें सर्वाइकल स्टिच (टांके) लगाए गए जिससे गर्भ में अधिक दबाव न पड़े।

### आधी रात जुटी टीम, सुरक्षित सिजेरियन डिलीवरी हुई

उन्हें आठ महीने पूरे हुए थे कि अचानक उन्हें लेबर पेन हुआ और रात 12 बजे वे अस्पताल आई। हाई रिस्क पर होने के कारण ज्यादा इंतजार कर पाना मुश्किल था इसीलिए रात में ही टीम जुटी और सारे रिस्क फैक्टर्स को ध्यान में रखकर सिजेरियन डिलीवरी द्वारा उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया।

### इतने वजन में सर्जरी कर पाना बेहद जटिल

सिजेरियन डिलीवरी के लिए ऑपरेशन करना बेहद जटिल था। डॉ. सत्यंवदा ने बताया कि ऑपरेशन करके मरीज के यूटरस तक पहुंच पाना बेहद मुश्किल था क्योंकि मोटापा बहुत ज्यादा था। ऑपरेशन में क्लोजर के दौरान टांकों का भी बहुत ध्यान रखना जरूरी था क्योंकि सही समय पर पूरा प्रोसीजर करके सही से टांके लगाने थे और इंफेक्शन से भी बचाना था। पूरे प्रोसीजर में ढाई घंटे लगे। अब मां और बच्चे दोनो स्वस्थ हैं। केस को सफल बनाने में गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. प्रतिभा और एनेस्थेटिस्ट डॉ. देवेश का विशेष सहयोग रहा।

# गर्लफ्रेंड को प्रपोज किया, मना किया तो फौजी का सुसाइड:पहले डराने के लिए हाथ की नस काटी, छोड़कर गई तो फंदे पर लटका

जयपुर।

जयपुर में गर्लफ्रेंड के घर फौजी के सुसाइड मामले में गुरुवार को नया मोड़ आ गया। मृतक के भाई ने गर्लफ्रेंड पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। वहीं, पुलिस जांच में सामने आया कि फौजी गर्लफ्रेंड को डरा रहा था। इस दौरान आखिर सुसाइड कर लिया। मौत से पहले फौजी ने गर्लफ्रेंड को उसी के रूम पर गुलाब देकर प्यार का इजहार किया था। उसकी बात नहीं मानने पर चाकू से हाथ की नस काटकर डराया। फिर गर्लफ्रेंड को डराने के लिए फंदा लगाकर सुसाइड की धमकी भी दी।

एसएचओ हरिसिंह दूधवाल ने बताया कि शाहपुरा के बागवास निवासी मुकेश मीणा (31) की हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। मृतक के भाई कृष्ण कुमार ने गर्लफ्रेंड बीना मीना (26) निवासी सवाई माधोपुर पर आरोप लगाए हैं। कृष्ण कुमार का कहना है कि भाई मुकेश मीणा ने सुसाइड नहीं किया, उसकी हत्या की गई है। सीमा सुरक्षा बल (स्सक्र) बिहार में कांस्टेबल ड्राइवर के पद पर तैनात मुकेश मीणा को उसकी गर्लफ्रेंड बीना ने मारा है। मुकेश की शादी 2009 में सरोज देवी से हुई थी। उसकी 3 साल की बेटी है। इस बारे में गर्लफ्रेंड बीना जानती थी। शादीशुदा होने के बाद भी पत्नी को तलाक देकर खुद शादी के लिए दबाव बना रही थी। मुकेश को प्यार में फंसाकर उसकी सैलेरी तक ऐंठती थी। शादी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देती थी।

### चाकू से रस्सी काटकर खुदने उतारा

मृतक के भाई कृष्ण कुमार का कहना है कि मुकेश मीणा के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे। रूम की दीवार पर खून के निशान मिले और एक बाल्टी में खून का कपड़ा भी मिला। गर्लफ्रेंड बीना ने पुलिस को बताया था कि वह घर आई तो गेट खुला था। रस्सी के फंदे से मुकेश लटका हुआ था। उसने रस्सी को चाकू से काटकर मुकेश के शव को नीचे उतारा था। आरोपी मुकेश ने सुसाइड कर लिया था तो आसपास के लोगों को बताती। आसपास के लोगों तक को लाश देखकर भनक नहीं लगने दी। पुलिस के आने का भी इंतजार नहीं

किया। मुकेश ने फंदा लगाया होता तो लटका मिलता। उसको तो गला घोंटकर मारा है। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाया, लेकिन मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम नहीं करवाया।

### सुसाइड से पहले हुआ था दोनों में झगड़ा

हरिसिंह दूधवाल ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि मुकेश मीणा ने सुसाइड किया था। गर्लफ्रेंड और मृतक के परिजनों से पूछताछ में कई अहम सबूत भी मिले। पिछले 3 साल पहले बीना की फेसबुक पर मुकेश मीणा से फ्रेंडशिप हुई थी। मुकेश के घरवाले भी जयपुर के मारुति नगर सांगानेर में रहकर कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रही गर्लफ्रेंड बीना के बारे में जानते थे। मुकेश जब भी छुट्?टी पर आता, सबसे पहले गर्लफ्रेंड से मिलने जयपुर आता था। मुकेश के शादीशुदा होने पर बीना ने मिलने से मना किया था। मुकेश का कहना था कि वह उसकी नहीं हो सकती तो किसी ओर का भी नहीं होने देगा। इसी बात को लेकर 25 जून को सुसाइड से पहले झगड़ा भी हुआ था। गर्लफ्रेंड बीना ने उसके कहा था कि अगर वह उसको अपना बनाकर रखना चाहता है तो शादी कर ले। वहीं, मुकेश की पत्नी का विरोध था कि मैं सौतन को घर नहीं आने दूंगी।

### डराने में गई फौजी की जान

हरिसिंह का कहना है कि 25 जून को गर्लफ्रेंड के घर पर मुकेश पहुंचा। डायरी और गुलाब का फूल देकर गर्लफ्रेंड को प्रपोज किया। शादीशुदा होने पर उसे छोड़ने की कहने पर दोनों में झगड़ा हुआ था। मुकेश ने बीना को डराने के लिए चाकू उठाया। हाथ की नस काटकर उसे बात नहीं मानने पर मरने की धमकी दी। डराने के लिए उसने चुन्नी उठाकर फंदा लगाकर सुसाइड करने की कहा। नशे में झगड़ने को लेकर रात करीब 9-30 बजे गर्लफ्रेंड घर से निकलकर अपनी सहेली के चली गई। सुबह करीब 7 बजे वापस घर लौटी। वहां लगे सीसीटीवी में गर्लफ्रेंड के घर आने-जाने फुटेज भी मिली है।

## (कुशलगढ़) पूज्य सोभाग्यमल जी म.सा. का पुण्य दिवस

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

**कुशलगढ़।** आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री उमेश मुनि म.सा. व प्रवर्तक देव श्री जिनेन्द्र मुनि म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी पूज्या सुव्रताजी म.सा. आदि ठाणा 4 के सानिध्य में कुशलगढ़ स्थानक भवन में सोभाग्यमल जी म.सा. का 38वा पुण्यदिवस तप - गुणानुवाद से मनाया गया। इस अवसर पर पूज्या सुव्रताजी म.सा. ने बताया कि जो जीवन की वास्तविकता को अच्छी तरह से समझ कर उस जीवन से महान जीवन बनाकर संसार के समक्ष आदर्श उपस्थित करते हैं, उन्हीं महापुरुषों का पुण्य दिवस मनाया जाता है। उन्होंने अपनी संयम साधना से सबको चकित कर दिया था। उनका हृदय कृपा से परिपूर्ण तथा वाणी में अमृत था इसीलिए पूज्य गुरुदेव को वाणी का जादूगर कहा जाता था। वे संघ और समाज को हमेशा संगठित कर के चलते थे। वे प्रसिद्ध वक्ता, संगठन प्रेमी और मानवता के मसीहा थे। ऐसे महापुरुष को हमेशा याद रखना चाहिए। प्रचार मंत्री विशाल गादिया ने बताया कि पूज्य गुरुदेव के पुण्य दिवस के उपलक्ष में सतरंगी तप का आयोजन किया गया तथा सात तपस्वीओ द्वारा एक साथ 7 उपवास के प्रत्यखान लिए गए। विशेष में पूज्य रेणुप्रभा जी म.सा. की 11 उपवास की उग्र तपस्या जारी है। शिल्पा मेहता 20 उपवास, राजल डोसी 14 उपवास, सौरभ गादिया 12 उपवास, धीरज भाई नाहटा 7 उपवास कर मासक्षमण की और अग्रसर है। सुमित्रा डोसी के धर्म चक्र, विजय नाहटा के तेले तेले उपवास की तपस्या जारी है। सभा का संचालन महामंत्री प्रशांत नाहटा ने किया व धर्म सभा में बहुत से श्रावक श्राविका उपस्थित रहे। ये जानकारी विशाल गादिया ने दी।

## शारीरिक शिक्षकों की वाकपीठ 26 से

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

**बांसवाड़ा.** जिले के माध्यमिक शिक्षा विभाग अधीन कार्यरत समस्त शारीरिक शिक्षकों की दो दिवसीय वाकपीठ संगोष्ठी 26 जुलाई से प्रारम्भ होगी। वाकपीठ सचिव रवि चौहान ने बताया कि श्री हरिदेव जोशी रंगमंच सभागार में मंगलवार प्रातः 9 बजे से पंजीयन प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनोद पानेरी ने की। बैठक में पंजीयन कार्य, आयोजन की व्यवस्थाओं, वार्ताकारों, आयोजन स्थल की साफ सफाई की जिम्मेदारी दी गयी। इस मौके पर लक्ष्मीनारायण टेलर, वीरचन्द मईड़ा, अचल मालोत, सुनील कश्यप, रणछोड़ गोयल ने विचार व्यक्त किये। वाकपीठ के दौरान विभिन्न खेलों पर दी जानेवाली वार्ताओं के विषय पर चर्चा की गई। इस वर्ष विभाग द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल किए नए खेलों एवं प्रतियोगिता आयोजन पर भी विस्तार से चर्चा होगी। निदेशक बीकानेर द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता शुल्क में बढ़ोतरी एवं खेलों के सत्र पर्यंत संचालन की योजना वाकपीठ में तैयार की जाएगी। ये जानकारी विनोद पानेरी ने दी।

## चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कुशलगढ़ द्वारा आयोजित हेल्दी लीवर अभियान जागरूकता रैली

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

**कुशलगढ़।** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कुशलगढ़ द्वारा आयोजित हेल्दी लीवर अभियान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुशलगढ़ एवं बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कुशलगढ़ के करीबन 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आगाज पंचायत समिति सभागार में एक सभा के रूप में हुआ। जिसमें मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ गिरीश भाभोर ने लीवर की उपादेयता एवं डॉ मधुसूदन शर्मा ने योग पर प्रकाश डाला। सभा के पश्चात जन जागरूकता रैली को डॉक्टर गिरीश भाभोर एवं विकास अधिकारी ऋषि राज मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में शिक्षा विभाग की ओर से प्रधानाचार्य कुशलगढ़ भीमजी सुरावत मांगीलाल वसुनिया मोहित सिंघाड़ा सुनील भाटी उपस्थित हुए। साथ ही कार्यक्रम में डॉक्टर मदन लाल जांगिड़, अहमद रजा खान पठान, मनोज मीणा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी ने भाग लिया। रैली पंचायत समिति परिसर से चलते हुए नगर के मध्य मामाजी चौराहे पर संपन्न हुई अंत में विद्यार्थियों को फल वितरित कर रैली का समापन किया गया। ये जानकारी भीमजी सुरावात ने दी।

## रेला रोड पर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं, सड़क पर भरा पानी

मरूधर हिन्द

**कठूमर। दिनेश लेखी।** उपखण्ड मुख्यालय पर कस्बे के बाई पास रोड से रेला गांव को जाने वाली सड़क मार्ग पर बारिश का पानी एकत्रित हो जाता है। पानी निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने से सड़क पर पानी भरा रहता है । समुंदर जाटव ने बताया कि रेला गांव को जोड़ने वाली सड़क पर बारिश होने से नाले का गंदा पानी सड़क पर एकत्रित हो जाता है। इसी समस्या को लेकर उपखंड अधिकारी रामकिशोर मीणा को रेला रोड पर स्थित श्री मां कॉलेज के प्रबंधक ने एवं जाटव समाज के लोगों ने ज्ञापन दिया था लेकिन आज तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। समस्या ऐसे ही बनी हुई है। जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिसके चलते राहगीरों व वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है । कई बार वाहन चालक व राहगीर फिसल कर चोटिल हो चुके हैं। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी प्रशासन को अवगत करवाकर समस्या समाधान की मांग की है । किंतु समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

## बोल अनमोल

जीवन में सुख आये तो हंस लेना और यदि जीवन में दुख आये तो उसे हंसी में उड़ा देना। - *मुनिश्री तरुणसागरजी*

## अब मंकीपॉक्स का खतरा

जिस वक्त कोविड-19 का संक्रमण विस्फोटक हो रहा था, दुनिया के कई देशों के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी अंधेरे में थे। कारण- बीमारी की सही जांच और रोकथाम का कोई पुख्ता उपाय नहीं था। दुनिया अब एक नये प्रकार के संक्रमण मंकीपॉक्स का सामना कर रही है। ऐसे में हम बीमारी की निगरानी और पब्लिक कम्युनिकेशन की पुरानी गलती को नहीं दोहरा सकते। हालांकि, मंकीपॉक्स और कोविड-19 दोनों एक जैसे नहीं हैं, फिर भी हम महामारी की गलतियों से जरूर सीख सकते हैं। अदृश्य संक्रमण को रोकना आसान नहीं है। लोगों की मदद नहीं हो पायेगी, अगर लोगों को संभावित मुश्किलों के प्रति आगाह नहीं किया गया। विषाणुजनित संक्रमण की निगरानी, पहचान, पुष्टि और इलाज के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है। मंकीपॉक्स धीमे म्यूटेट होनेवाला डीएनए वायरस है, जो संक्रमित व्यक्ति के ड्रॉपलेट या सीधे संपर्क में आने से फैलता है। यह एक प्रकार का ऑर्थोपॉक्सवायरस है, जो सामान्य तौर पर जानवरों से इंसानों में फैलता है। पहली बार यह बड़े स्तर पर इंसानों से इंसानों के बीच फैल रहा है। मध्य और पश्चिमी अफ्रीका की यह स्थानिक बीमारी अब दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल रही है। अभी तक 20 से अधिक देशों में 400 से अधिक मामले रिपोर्ट हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, बीते 21 दिनों के भीतर संक्रमण प्रभावित देश की यात्रा करने वाले व्यक्तियों की निगरानी आवश्यक है। संक्रमित व्यक्ति के शरीर पर दाने, बुखार, शरीर और सिर में दर्द तथा कमजोरी जैसे लक्षण उभरते हैं। मामले की पुष्टि केवल पीसीआर टेस्ट या नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे द्वारा नमूनों की जांच के आधार की जा सकती है। देश में संक्रामक बीमारियों की निगरानी करनेवाले एकीकृत बीमारी निगरानी कार्यक्रम (आइडीएसपी) ने स्वास्थ्य सेवाओं, विशेषकर त्वचा क्लीनिक, यौन संचारित रोगों के क्लीनिक, मेडिसिन क्लीनिक और पीडिएट्रिक्स क्लीनिक को सतर्क रखने का निर्देश दिया है। संक्रमण से होने वाले त्वचा के घावों, बुखार, खुजली, मिचली, उल्टी, सिरदर्द और अस्वस्थता जैसे लक्षणों के निदान के लिए भी उपाय सुझाये गये हैं। अभी तक अमेरिका, ब्रिटेन, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और कई अफ्रीकी देशों में मंकीपॉक्स के मामले सामने आये हैं। बचाव उपायों के प्रति विशेषज्ञों के सतर्क होने तथा मंकीपॉक्स संक्रमण से जुड़े आवश्यक प्रश्नों का शोधकर्ताओं द्वारा समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। सही वैज्ञानिक जानकारी का अभाव एक वैश्विक समस्या है, जिसका शुरूआती दौर में ही समाधान जरूरी है।

## आज के ट्वीट



अगर नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत में हमारे मेयर और अध्यक्ष नहीं बने तो विधायकों को मंच पर बिठाने वाला भी कोई नहीं रहेगा। राहुल गांधी की भारत में कोई नहीं सुनता तो लंदन में जाकर कहते हैं कि भाजपा की सरकार ने कैरोसिन फैला दिया है। यह बुझा हुआ नेता जिसकी मानसिक आयु 6 साल से अधिक नहीं है। जिसके रहते कांग्रेस को दुश्मन की ही जरूरत नहीं है।

- शिवराज सिंह चौहान



मध्य प्रदेश आज हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रहा है। पार्टी नेता पुत्रों को टिकट नहीं देंगी। पार्टी ने पॉलिसी बनाई है कि कार्यकताओं को मौका दिया जाएगा। यदि परिवार के लोगों को ही टिकट देंगे तो कार्यकर्ता कहां से आएंगे। जिस पार्टी में पिता अध्यक्ष, बेटा जनरल सेक्रेटरी और पॉर्लियामेंट्री बोर्ड में चाचा, ताऊ और परिवार के सदस्य हों।

- जेपी नड्डा

## आज का इतिहास

- 1918 - गांधी जी की अध्यक्षता इन्दौर में 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' आयोजित हुआ और उसी में पारित एक प्रस्ताव के द्वारा हिन्दी राजभाषा मानी गयी।
- 1994 - भारत सहायता क्लब का नया नाम 'भारत सहायता मंच' किया गया।
- 1999 - हावरक्राफ़्ट विमानों के अविष्कारक क्रिसटोफर काकरैल का निधन, यूगोस्लाविया द्वारा कोसोवो शांति योजना को मंजूरी, मिस्र के राष्ट्रपति हुस्नी मोबारक लगातार चौथी बार राष्ट्रपति चुने गये।
- 2004 - केन फोर्ड नासा के अंतरिक्ष खोज पैनल के नेतृत्वकर्ता बने।

## जन्मे जो आज के दिन



### रूमा पाल

भारत की प्रसिद्ध महिला न्यायधीश रही हैं। उच्चतम न्यायालय के पूरे इतिहास में न्यायाधीश बनने वाली वे तीसरी महिला हैं, जो 3 जून, 2006 को सेवानिवृत्त हुईं। न्यायमूर्ति रूमा पाल उच्च न्यायपालिका में बहुत ईमानदार, विनम्र व विवेकशील मानी गयी हैं। अपने कार्यकाल के दौरान वे किसी भी सामाजिक या व्यक्तिगत समारोह आदि में शामिल होने से बचती रहीं। यहां तक की अमेरिकी विश्वविद्यालय के बुलावे पर एक सम्मेलन में भाग लेने से भी इंकार कर दिया। एक न्यायाधीश के रूप में उन्हें किसी अन्य संस्था से अपनी यात्रा का टिकट लेना स्वीकार्य नहीं था। आज के दौर में सर्वोच्च न्यायपालिका में न सिर्फ न्यायाधीशों की चयन प्रक्रिया, बल्कि चयनित व्यक्तियों की ईमानदारी और योग्यता भी बहस के घेरे में है, वहीं रूमा पाल न्यायपालिका में इसके उलट एक दुर्लभ व्यक्तित्व रहीं।

- 1982 - तृप्ति मुर्गंडे - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जो एकल और युगल खेलती हैं।
- 1930 - जॉर्ज फर्नांडिस - एक पूर्व ट्रेड यूनियन नेता थे, जो राजनेता, पत्रकार और भारत के रक्षामंत्री रहे।

# एलएसी पर चीन की गतिविधियों से भारत को ही फायदा



अशोक कुमार

अप्रैल 2020 के बाद पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के चीन की कार्रवाइयों की वजह से भारत के साथ उसके संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ग्राउंड फोर्स के बीच कई समझौतों और मौजूदा व्यवस्था के बावजूद, 15 कोर कमांडर स्तर की वार्ता और राजनयिक व राजनीतिक स्तर पर बातचीत के बाद भी, न तो इस तरह की घुसपैठ को टाला जा सका और न ही उन्हें पूरी तरह से सुलझाया जा सका। भारत ने एलएसी के साथ-साथ अंदरूनी इलाकों में चीनी कार्रवाइयों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया है। नतीजतन, दोनों पक्षों से इन इलाकों में 50,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है। और इस तनातनी के कारण, उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात हमारे रक्षा बलों के भरण-पोषण पर अत्यधिक खर्च होता है। तुलनात्मक रूप से चीन भी अपनी आवश्यकताओं के लिए बड़ा खर्च कर रहा है।

ऐतिहासिक रूप से, चीन ही भारत को हमेशा उकसाता है और उसके आंतरिक मामलों में दखल देता रहा है, लेकिन अंत में भारत को हमेशा, 1962 के युद्ध को छोड़कर, फायदा हुआ है। 1962 में चीन की उकसाने वाली कार्रवाइयों से देश को राजनीतिक और सैन्य रूप से भारी नुकसान हुआ था। चीन ने 1949 में केएमटी को हराकर आजादी हासिल की थी, इसने मौजूदा एलएसी के साथ-साथ न केवल पूर्वी लद्दाख में बल्कि अन्य इलाकों में भी बड़े क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। 1962 के युद्ध की उसकी गलत आक्रामकता और एकतरफा वापसी के परिणामस्वरूप, चीन 1962 के कब्जे वाले स्थानों से पीछे हट गया। हालांकि, कई क्षेत्रों पर इसका कब्जा बरकरार है, जिनमें से कुछ पर 1949 से 1962 के बीच और युद्ध से पहले का कब्जा था। हम उस समय के राजनीतिक नेताओं और सैन्य अधिकारियों की आलोचना में चाहे जो भी कहें, जिसमें 1962 में भारी नुकसान झेलने के बावजूद भारतीय वायुसेना का उपयोग न करना भी शामिल है, लेकिन अब ऐसा लगता है कि देश ने अच्छी तरह से सबक सीख लिए हैं। तथ्यों से स्पष्ट है कि हम इन सबक को प्रभावी ढंग से लागू भी कर रहे हैं। एलएसी पर चीन के साथ जारी संघर्ष में भी भारत ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है और वह एक नया अध्याय लिख रहा है।

इससे पहले कि भारत 1962 के संघर्ष से उबर पाता, पाकिस्तान ने 1965 में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के अलावा, 1963 में पीओके का हिस्सा, शक्सगाम घाटी चीन को सौंप दिया। पाकिस्तान अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका और अपने कुछ क्षेत्रों को और खो दिया, इनमें पीओके में हाजी पीर दर्रा सहित मैदानी इलाके शामिल थे। यह बात अलग है कि 1966 के ताशकंद समझौते के दौरान भारत को उदार बनना पड़ा, इस समझौते के तहत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हाजी पीर दर्रे सहित सभी कब्जे वाले क्षेत्रों को पाकिस्तान को वापस कर दिया गया। ताशकंद समझौते के एक साल से भी कम समय में, चीन ने 1967 में सिक्किम में नाथुला और चोला दर्रे में भारत को उकसाया। लेकिन उसे पता नहीं था कि वह अब एक अलग भारत का सामना कर रहा है। नाथुला और चोला में हुई झड़पों के निम्न परिणाम रहे। मारे गए सैनिकों और घायलों की संख्या के



लिहाज से चीन को अधिक नुकसान हुआ। चीन झड़पों को खत्म करने के लिए सहमत हो गया, इस प्रकार स्थानीय स्तर पर भी भारत के सैन्य वर्चस्व को स्वीकार किया। इससे भारत ने उत्तरी सिक्किम के साथ-साथ पूर्वी सिक्किम दोनों में अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया, इस प्रकार इस इलाके पर हावी होने के अलावा उसने अपनी पकड़ को और मजबूत किया। भारत ने चीन को चुंबी घाटी में अपना बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए भी मजबूर किया। हालांकि, यह खतरे में इजाफा कर सकता है, लेकिन साथ ही, यह भारतीय बलों को भी कई लक्ष्य प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप सिक्किम के लोगों के साथ बेहतर संबंध बने, जो 1975 में भारत का एक राज्य बना। इसका चाहे जैसे भी विश्लेषण किया जाए, लेकिन वह चीन की पहली रणनीतिक हार थी। चीन ने न तो 1967 की हार से सबक सीखा और न ही 1971 में पाकिस्तान पर भारत की अभूतपूर्व जीत से। इसने 1986-87 में अरुणाचल प्रदेश में घुसने का एक और प्रयास किया, सुमदुरोंग चू के दक्षिणी हिस्से में उसका सैन्य शिविर देखा गया था। भारत ने अपने सैनिकों को बड़े पैमाने पर लामबंद किया, जिसमें अधिकांश क्षेत्रों पर कब्जा शामिल था, ये संघर्ष के संभावित क्षेत्र हो सकते थे।

**इसके निम्न परिणाम हुए :**चीनी घुसपैठ एक ही स्थान तक सीमित थी, जो भी तीन तरफ से भारतीय चौकियों से घिरी हुई थी। यहां आज तक एक नाजुक स्थिति बनी हुई है। भारत ने एलएसी पर प्रभुत्व बढ़ाने वाले अपने सभी अग्रिम इलाकों पर कब्जा कर लिया, इसके अलावा चीनी पक्ष की ओर से किसी भी तरह की घुसपैठ को रोक दिया। इसके परिणामस्वरूप तवांग के लोगों के साथ बेहतर संबंध बना, क्योंकि भारतीय सेना ने तवांग के उत्तर में सुरक्षा का जिम्मा ले लिया और किसी भी कीमत पर तवांग की रक्षा करने का निर्णय लिया। हालांकि इस मुद्दे को मई 1987 में राजनीतिक स्तर पर सुलझा लिया गया, लेकिन इससे चीन को प्रभावी तरीके से जवाब देने में भारतीय सेना का संकल्प दिखाई दिया। यह चीन की दूसरी रणनीतिक हार थी। चीन न केवल भारतीय सीमाओं में, बल्कि भूटान की भी सीमा में हस्तक्षेप करता रहा है। भूटान की रक्षा के लिए भारत का काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है, क्योंकि यह देश की रक्षा के लिए अहम है। चीन ने 2017 में डोकलाम (भूटान) में भारतीय शक्ति का परीक्षण करने का प्रयास किया। चीन द्वारा सड़क निर्माण, भारतीय सुरक्षा के लिए खतरा था, भारत ने भी अपने सैनिकों को जुटाया और अंत में, चीन को न केवल सड़क निर्माण को रोकने के लिए, बल्कि अपने वापस जाने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। भारत भी अपनी तरफ से ऐसा करने के लिए बाध्य है। इसके निम्न परिणाम हुए। भारतीय सुरक्षा बलों पर पड़ोसियों का विश्वास बढ़ा और विशेष रूप से भूटान का। चीन ने महसूस किया कि भारत न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा बल्कि अपने पड़ोसियों के लिए भी अपनी सारी शक्ति का उपयोग करेगा। इसने भारत को एक परिपक्व राष्ट्र के रूप में भी लोकप्रिय किया, जहां भारत की सेना ने चीनी सेना के साथ आमने-सामने होने के बावजूद, दुनिया की मदद के लिए रोने-धोने के बजाए, कूटनीति और राजनीतिक तरीके से इस मुद्दे को हल किया। इस तरह के दृष्टिकोण से रूस और यूक्रेन के संघर्ष को रोका जा सकता था। विश्लेषण के किसी भी दृष्टिकोण से यह चीन की तीसरी रणनीतिक हार थी। चीन ने 2013-14 में यह कहा था कि ताइवान का एकीकरण उसकी पहली प्राथमिकता है। एलएसी के साथ, वह अब दो भौगोलिक छोरों पर विभाजित है, एक ताइवान में और दूसरा पूर्वी लद्दाख में। भारत चीन की विस्तारवादी गतिविधियों के बारे में दुनिया को समझाने में सक्षम रहा है, अधिक से अधिक देश चीन को संदेह की नजर से देख रहे हैं। इसने पूर्वी लद्दाख में बुनियादी ढांचे के विकास की गति को भी तेज कर दिया है, इसके अलावा भारत ने हर मौसम के लिए संपर्क सड़क विकसित किया है जो न केवल सैनिकों के लिए रसद पहुंचाने की और वहां रहने की लागत को कम करेगा बल्कि वर्तमान सुरक्षा को अभेद्य बना देगा। भारत ने अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में अपनी संप्रभुता के निशान लगाना शुरू कर दिया है। यह पैंगोंग त्सो पर एक पुल का निर्माण कर-के चुशुल में एक हवाई क्षेत्र को व्यावसायिक रूप से खोलकर, सीमावर्ती इलाकों में गांवों को विकसित कर और लुकुंग व उसके बाहर होटल और अन्य नागरिक सुविधाएं विकसित कर अपनी स्थिति को और मजबूत कर सकता है। चीन पूर्वी लद्दाख के सामने अपना बुनियादी ढांचा भी विकसित कर रहा है और इस प्रक्रिया में किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में वह भारत के लिए और टारगेट उपलब्ध करा रहा है। पूर्वी लद्दाख में सेना और संसाधनों की तैनाती से, भारत बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके माध्यम से वह चीन-पाकिस्तान धुरी को बेअसर करने की स्थिति में होगा और इससे पाकिस्तान को दूसरों से अलग करना संभव होगा। रणनीतिक रूप से भारत, चीन को न केवल उसके प्राथमिक उद्देश्य, ताइवान से, बल्कि अरुणाचल प्रदेश से भी दूर करने में सक्षम रहा है और वह पश्चिम की ओर शिफ्ट हो गया है। भारत ने चीन को मजबूर किया कि वह अपने सैनिकों को कठिनाई भरे इलाकों में तैनात करे, जिसके कारण उसके कई सैनिक हताहत हुए हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में तैयार भारतीय सैनिकों की ताकत का बेहतर उपयोग किया जा रहा है। 1967, 1987, 2017 और अब 2020 के एक्शन के साथ भारत के पास चीन को रणनीतिक रूप से एक बार फिर से हराने का ऐतिहासिक अवसर है। एक बार जब चीन अप्रैल-2020 से पहले की स्थिति पर वापस लौटने के लिए स्वीकार कर लेता है तो यह एक पूर्ण समझौता होगा। आशावाद की स्थिति हमेशा बनी हुई होती है। इस ऐतिहासिक क्षण का फायदा उठाने और एलएसी गतिरोध को चीन के लिए एक बुरे सपने में बदलने के लिए उचित प्रयासों और उनकी निरंतरता की आवश्यकता है। एलएसी पर चीनी दुस्साहस ने भारत को चौथी रणनीतिक जीत उपलब्ध कराने के अवसर प्रदान किए हैं।

(लेखक कारगिल युद्ध के अनुभवी एवं रक्षा विशेषज्ञ हैं। लेखक में व्यक्त विचार लेखक के निजी हैं।)

# सतत विकास के लिए हरित ऊर्जा बेहतर विकल्प



प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी

जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग पिछले कुछ दशकों में जिस तीव्रगति से बढ़ा है उससे यह स्पष्ट है कि आने वाले कुछ दशकों के पश्चात इनके भण्डार समाप्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त इनके अनियंत्रित उपयोग के कारण पर्यावरण तीव्र गति से प्रदूषित (ग्रीन हाउस गैस आदि के कारण) हुआ है। परिणामस्वरूप सतत विकास हेतु इन संसाधनों का उचित विकल्प ढूढ़ना वैज्ञानिकों एवं आने वाली पीढ़ी के लिए चुनौती है। पिछले दशक सेहरित ऊर्जा महत्वपूर्ण विकल्प बनकर तेजी से उभरा है। सौर ऊर्जा, पवन, जल, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोमास, लैण्ड फिल गैस इत्यादि हरित ऊर्जा के अंतर्गत आते हैं। इन ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत उत्पन्न करने में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग नगण्य होता है तथा ये पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होते हैं। भारत में हरित ऊर्जा,परम्परागत ऊर्जा का एक बेहतर विकल्प बनने की ओर तीव्रगति से अग्रसर है। कोप-26 के जलवायु सम्मेलन में भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत हरित ऊर्जा के माध्यम से पूर्ण करना एवं उत्पादन क्षमता को 500 गीगावाट तक करने का लक्ष्य है। निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2022 के अंत तक सौर ऊर्जा से 100 गीगावाट, पवन ऊर्जा से 60 गीगावाट, बायोमास से 10 गीगावाट एवं लघु जल परियोजनाओं से 5 गीगावाट उत्पादन करना होगा। भारत में हरित ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन की संभावनाएं निम्नानुसार हैंः-

**सौर ऊर्जा**

वर्तमान में भारत में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता लगभग 51 गीगावाट तक है। देश में लगभग 30 से 50 मेगावाट प्रति वर्ग किमी. छायारहित खुला क्षेत्र उपलब्ध होने के बावजूद भारत में सौर ऊर्जा का उत्पादन अपेक्षाकृत कम है। हैण्डबुक आफ सोलर रेडिएशन ओवर इंडिया के अनुसार भारत के अधिकांश क्षेत्रों/भागों में एक वर्ष में 20-300 दिवस धूप निकलने वाले दिनों सहित प्रतिवर्ग मीटर 4 से 7 किलोवाट घण्टे का सौर विकिरण प्राप्त होता है। वर्ष 2021 में प्रमुख सौर ऊर्जा क्षमता स्थापितकरने वाले राज्य क्रमशः कर्नाटक (7355 मेगावाट),राजस्थान (5732 मेगावाट), तमिलनाडु (4475 मेगावाट),गुजरात (4430 मेगावाट) हैं। भारत सरकार द्वारा नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में सौर विद्युत प्रौद्योगिकी में अनुसंधान, विकास और परीक्षण



करने हेतु राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान की स्थापना की गई है।

**पवन ऊर्जा**

भारत में 7600 किमी. लम्बी तटरेखा पर 127 गीगावाट अपतटीय पवन ऊर्जा के उत्पादन की संभावनाएं हैं। वर्ष 2022 के अंत तक 5 गीगावाट अपतटीय क्षमता तथा वर्ष 2030 तक 30 गीगावाट क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय पवन सौर हाइब्रिड नीति पवन ऊर्जा के वृद्धि हेतु निरंतर प्रयासरत है। पवन आधारित उत्पादन क्षमता के वृद्धि को बनाये रखने तथा उसे अधिक गति देने हेतु नियोजन/प्रक्रियाओं संबंधी बाधाओं को दूर करना तथा परमिट देने की प्रक्रियाओं को सरल, सुगम एवं सुव्यवस्थित किये जाने की भी आवश्यकता है।

**जल ऊर्जा**

विकसित देशों में जल विद्युत का योगदान कुल आवश्यकता का 50 प्रतिशत है जबकि भारत में यह लगभग 13 प्रतिशत (वर्ष 2021 तक) ही है। अगस्त 2020 तक देश के जल विद्युत की स्थापित क्षमता 4569 मेगावाट थी। भारत का वैश्विक परिदृश्य में दोहन योग्य जल विद्युत ऊर्जा में पांचवा स्थान है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार भारत में लगभग 148700 मेगावाट संस्थापित क्षमता के स्तर तक जल विद्युत संभावना है किन्तु अभीतक केवल 45 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता स्थापित है। इसका प्रमुख कारण पर्यावरणीय मुद्दे, राहत और पुनर्वास की समस्या, भूमि अधिग्रहण आदि है।

**बायोमास**

भारत में जैव ईंधन की उपलब्धता लगभग 120-150 मिलियन मिट्रिक टन प्रति वर्ष है जो कृषि और वानिकी अवशेषों से उत्पन्न होती है और इसकी ऊर्जा संभाव्यता 1600 मेगावाट है। इस ऊर्जा का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह स्थानीय रूप से उपलब्ध नवीकरणीय तथा कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण को सुरक्षित रखती है किन्तु ईंधन को एकत्रित करने में कड़ी मेहनत, उपयुक्त वेन्टीलेशन की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह वातावरण को प्रदूषित करती है। एक रिपोर्ट के अनुसार सूक्ष्म और वृहद् स्तर पर बायोगैस संयंत्र स्थापित करने से पशुधन से प्राप्त खाद, कृषि अपशिष्ट, मिट्टी की गुणवत्ता, जल गुणवत्ता आदि लाभदायक परिणाम मिलते हैं।

**ग्रीन हाइड्रोजन**

इस अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा निर्मित होता है। इसके अंतर्गत पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है। विश्व के कुल उत्पादित हाइड्रोजन का 1 प्रतिशत से कम हिस्सा ग्रीन हाइड्रोजन होता है। अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेन्सी के अनुसार वर्ष 2050 तक कुल ऊर्जा मिश्रण में हाईड्रोजन की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत तक हो जायेगी। स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन के लिए हाईड्रोजन पृथ्वी पर सबसे प्रचुर तत्वों में से एक है। वर्तमान में पेट्रोलियम शोधन और उर्वरक उत्पादन में हाइड्रोजन का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन के प्रयोग से संपूर्ण विश्व में कार्बन उत्सर्जन कोअत्यधिक कम किया जा सकता है। भारत सरकार में हाल ही में नेशनल हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की है जिसके अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रत्येक वर्ष में 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की बात की गयी है। भारत की भौगोलिक परिस्थितियां ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

**लैंडफिल गैस**

यह भी हरित ऊर्जा का एक विकल्प है। लैंडफिल क्षेत्र में भरे गये कचरे के कार्बनिक पदार्थों के अपघटन से बना एक प्राकृतिक उप-उत्पाद है। यह प्रमुख रूप से मीथेन, कार्बन डाई आक्साइड और गैर-मीथेन कार्बनिक यौगिकों की अत्यंत सूक्ष्म मात्रा से निर्मित होता है। लैंडफिल को ऐसे ही वायुमण्डल में छोड़ देने के बजाय उसको एकत्रित और रूपांतरित करने एक ऊर्जा स्त्रोत के रूप उपयोग किया जा सकता है। इससे मीथेन गैस को वातावरण में जाने से रोका जा सकता है। इसका उपयोग खाद्य के रूप में तथा विद्युत जनरेटर के रूप में किया जा सकता है। लैंडफिल गैस का उपयोग सावधानी से किया जाना आवश्यक है अन्यथा इससे निर्गत गैसें पर्यावरण को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि भारत में हरित ऊर्जा की अनन्त संभावनाएं हैं। यदि इन स्त्रोतों का समुचित एवं प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया तो भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनकरविश्व में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

(लेखक शास. आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में भूविज्ञान के प्राध्यापक हैं।)

# हिन्द दी चादर गुरु तेग बहादुर



देश की आन बान शान और अस्मिता की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले वीरो ने भारत भूमि को धन्य किया है, ऐसे ही सिक्ख धर्म के एक गुरु हुए है - गुरु तेग बह साहिब जी जिनकी शहादत ने तत्कालीन समय में भारत ही नहीं बल्कि पूरे एशिया में होने वाली धर्मांतरण की घटनाओ पर अंकुश लगाया था। इस साल श्री तेग बहादुर साहिब जी का 400 वा प्रकाश पर्व, अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है। आततायी शासक की धर्म विरोधी और वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरुद्ध गुरु तेग बहादुरजी का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। यह उनके निर्भय आचरण, धार्मिक अडिगता और नैतिक उदारता का उच्चतम उदाहरण था। वे शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे। उन्हें हिन्द की चादर या भारत की ढाल भी कहा जाता है, उन्होंने जन सामान्य की जान बचाने के लिए अपनी कुबार्नी दी। गुरु तेग बहादुर साहिब जी सिक्खो के नौवे गुरु थे। उनका जन्म अमृतसर में हुआ था। उनके बचपन का नाम त्यागमल था। वे बचपन से ही अत्यंत विचारवान, बुद्धिमान, उदारचित्त, बहादुर और निर्भीक स्वभाव के थे। उन्होंने बचपन में ही गुरुबाणी, धार्मिक ग्रंथों के साथ ड्टसाथ घुड़सवारी, शस्त्र चलाने की भी शिक्षा ली थी। केवल 14 वर्ष की आयु में बालक त्यागमल ने अपने पिता के साथ मुगल सेना के साथ हुई लड़ाई में बहादुरी का परिचय देते हुए मुगलो को भागने पर मजबूर कर दिया था, उनकी इसी निडरता को देखते हुए पिता ने उनका नाम तेग बहादुर अर्थात तलवार का धनी रखा। गुरु तेग बहादुर जी ने जगह जगह घूमते हुए न सिर्फ धर्म का प्रचार किया बल्कि लोगो को निडरता, बहादुरी और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने का पाठ भी पढ़ाया। जनमानस को बेखौफ होकर कुरबानी के लिए तैयार भी किया। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने मुगलो के अत्याचारों के विरुद्ध आवाज बुलंद की। मुगलो द्वारा हिन्दुओ विशेष रूप से कश्मीरी पंडितो को मुसलमान बनाए जाने की मुखालफत करते हुए उन्होंने अपना शीश कटवा दिया। 1657 में मुगल शासक औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम स्वीकार करने को कहा पर गुरु साहब ने कहा सीस कटा सकते हैं, केश नहीं। उन पर दबाव बनाने के लिए तरह तरह के अत्याचार किये गए। लेकिन गुरु साहिब किसी भी सूरत में अपने पथ से नहीं डिगे आखिरकार अत्याचारी मुगलो ने जनता के बीच उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। उनके शहीदी स्थल पर ही गुरुद्वारा शीश गंज साहिब बनाया गया। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धान्त की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है । गुरु तेग बहादुर जी साहिब के 400 वे प्रकाश पर्व के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा "उस समय भारत को अपनी पहचान बचाने के लिए एक बड़ी उम्मीद गुरु तेगबहादुर साहब के रूप में दिखी थी। औरंगजेब की आततायी सोच के सामने उस समय गुरु तेगबहादुर जी, 'हिन्द दी चादर' बनकर, एक चट्टान बनकर खड़े हो गए थे। औरंगजेब और उसके जैसे अत्याचारियों ने भले ही अनेकों सिर को धड़ से अलग किया हो लेकिन वह हमारी आस्था को हमसे अलग नहीं कर सका। गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान ने, भारत की अनेक पीढ़ियों को अपनी संस्कृति की मयार्दा की रक्षा के लिए, उसके मान-सम्मान के लिए जीने और मर-मिट जाने की प्रेरणा दी। बड़ी-बड़ी सत्ताएँ मिट गई, बड़े-बड़े तूफान शांत हो गए पर भारत आज भी अमर खड़ा है, आगे बढ़ रहा है । "मध्यप्रदेश पंजाबी साहित्य अकादमी द्वारा भी पूरे प्रदेश में गुरु तेग बहादुर साहिब जी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। अकादमी कि निदेशक नीरू सिंह का कहना है कि सिक्खो के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगो को विशेष रूप से युवा पीढ़ी को उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के बारे में जानकारी देने का हमारा प्रयास है।



वीणा सबलोक पाठक

## चित्रकूट के घाट से

# राम राम रघुपति जपत



अहा! वह पियूषा वाणी कर्ण में प्रविष्ट होते ही श्री भरत आनन्दमग्न हो गए। अमृत से भी अधिक मधुर, चन्द्रमा से भी अधिक शीतल, वह वाणी श्री भरत के हृदय के समस्त दुःखों का हरण कर लेती है। पर श्री भरत उठते नहीं। बैठे ही बैठे पूछते हैं-

*को तुम्ह तात कहां ते आए।*
*मोहि परम प्रिय बचन सुनाए।*

आश्चर्य होता है कि इतना मंगलमय समाचार ले आने वाले को प्रणाम नहीं। स्वागत नहीं। श्री भरत की स्थिति तो उस समय बड़ी विलक्षण है। नेत्र बंद हैं। आंसू बरस रहे हैं। उसी समय शब्द सुनाई पड़ता है-आनन्दमय, मंगलमय। किन्तु प्रेमी को प्रसन्नता के साथ सन्देह है कि कहीं मेरी व्याकुलता या भावना के कारण तो ऐसा नहीं सुनाई पड़ रहा है? पर हृदय कहता है- 'कल्पना ही सही', किन्तु नेत्र इस भय के मारे नहीं खोलते कि कहीं सचमुच भावना न सिद्ध हो जाए। श्री हनुमान जी के शब्द सुनकर उन्हें यही भय होता है कि यह मेरी भावना ही है-

*रामेति रामेति सदैव बुद्धया, विचिन्त्य वाचा ब्रुवतीतमेव।*
*तस्यानुरूपं च कथा तदर्थामेवं, प्रपश्यामि तथा श्रृणोमि।*
*मनोरथःस्यादिति चिन्तयामि (वाल्मीकि 5/32/11-13)*

एक बहुत ही भावमय दोहा स्मरण आता है मुझे इस अवसर पर। कोई विरहिणी ब्रजांगनी शयन-कक्ष में पड़ी सो रही हैं। स्वप्न में उसे ब्रजेन्द्र कुमार का दर्शन होता है और वे जगाने लगते हैं-किन्तु भावमयी गोपी नेत्र नहीं खोलना चाहती। क्यों, क्या रूठी हैं? नहीं, नहीं-नेत्र खोलने में उसे भय लगता है। किस बात का?

*सपने में साईं मिले सोवत लिया जगाय।*
*आंख न खोलूं डरपती मति सपना होइ जाय।*

अहा-कैसी मार्मिक व्यथा है 'मत सपना होइ जाइ'। कहीं यह दर्शन स्वप्न न सिद्ध हो जाय? यही भावना इस समय हमारे प्रेममूर्ति की है।

**- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज**

## स्टार डायजेस्ट

### राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला क्रिकेट टीम की 6 सदस्यों को वीजा का इंतजार

नई दिल्ली। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होने में 48 घंटे से कम समय रह गया है लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट दल की छह सदस्यों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। महिला क्रिकेट राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहा है। भारतीय टीम इस समय बेंगलुरू में ट्रेनिंग कर रही है और उसे रविवार को बर्मिंघम के लिए रवाना होना है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) इस मुद्दे पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से संपर्क में है। आईओए सूत्र का कहना है कि कुछ वीजा आज मिल गए लेकिन अभी छह वीजा मिलने बाकी हैं जिसमें तीन खिलाड़ियों और 3 खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के हैं। उन्होंने कहा- बाकी वीजा कल तक आ जाने चाहिए। वैसे भी हमारा इस प्रक्रिया में कोई नियंत्रण नहीं है। गर्मियों के कारण व्यस्तता है और ब्रिटेन का वीजा मिलने में समय लग रहा है। वहीं खिलाड़ियों की किट भी बेंगलुरू नहीं पहुंची हैं।

### रविंद्र जडेजा घुटने में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 वन-डे से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा शुक्रवार को घुटने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां 3 मैचों की श्रृंखला के शुरूआती वनडे से पहले उनकी फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक- रविंद्र जडेजा के दाहिने घुटने में चोट लगी है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे से बाहर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है और तीसरे एकदिवसीय में उनके भाग लेने पर फैसला उसी के अनुसार लिया जाएगा।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड और खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स -2022 के लिए इंग्लैंड के बर्मिंघम में आगमन पर एक तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

## ब्रिटेन में मौसम से सामंजस्य बैठाने पर ध्यानः मनप्रीत

बेंगलुरु | एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि ब्रिटेन पहुंचने कर मौसम के अनुकूल ढलने के बाद यह टीम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने के लिए जी-जान लगा देगी। टीम 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बिर्मिंघम रवाना हुई।

उन्होंने कहा, टीम ने पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया है और हम यहां पदक जीतने के लिए जो कुछ भी करना हो वह करेंगे।

भारत को पूल बी में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ करेगी। मनप्रीत का मानना है कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के 2021-2022 सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भारत का तीसरा स्थान हासिल करना बिर्मिंघम में मददगार होगा। ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा, हर कोई उत्साहित है और मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अभी, हम बिर्मिंघम पहुंचने और वहां के मौसम के अनुकूल ढलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अपने पहले मैच की भी तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि घाना के खिलाफ बेहतर शुरुआत हमारे अभियान के लिए अहम होगा।

**हम इस आयोजन को लेकर काफी उत्साहित हैं क्योंकि हम पिछले कुछ समय से इस प्रतियोगिता को ध्यान में रखकर अभ्यास कर रहे हैं। हम दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं।**

मनप्रीत सिह

### मध्यक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

## वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला जीतना चाहेगी टीम इंडिया

पोर्ट ऑफ स्पेन | एजेंसी

भारतीय टीम रविवार को जब दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी तो कार्यवाहक कप्तान शिखर धवन फिर दूसरी कतार में खड़े खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे ताकि तीन मैचों की श्रृंखला उनके नाम हो जाये। भारतीय टीम ने पहला वनडे तीन रन से जीता था और एक और जीत से भारत कैरेबियाई सरजमीं पर लगातार दूसरी वनडे श्रृंखला जीत लेगा। भारतीय टीम ने शुक्रवार को पहले वनडे में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया और तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढत़ बनायी जिसमें धवन और वापसी करने वाले शुभमन गिल के बीच आक्रामक सलामी साझेदारी तथा मोहम्मद सिराज का अनुभवी मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में गेंदबाजी आक्रमण की सुघड़ता से अगुआई करना शामिल हैं।

**मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे से डीडी स्पोर्ट्स पर**

### शीर्ष तीन खिलाड़ियों ने 'परफेक्ट' शुरूआत दिलाई

गिल 19 से ज्यादा महीने के समय बाद वनडे टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाकर 64 रन से अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन पर तरजीह देकर चुने गये गिल जब क्वींस पार्क ओवल की पिच पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो यह काफी आसान दिख रही थी जबकि ज्यादातर खिलाड़ी इस पर जूझते दिख रहे थे। पूरी पारी के दौरान उन्होंने जितनी गेंद खेलीं, उतने ही रन जुटाये और छह बाउंड्री के अलावा दो छक्के भी लगाये। धवन ने भी दूसरे जोड़ीदार की भूमिका बेहतरीन ढंग से निभायी, उन्होंने और गिल ने 106 गेंद में 119 रन की साझेदारी बनायी। लेकिन सीनियर बल्लेबाज अपने 18वें शतक से चूक गया। श्रेयस अय्यर ने भी अर्धशतक जमाकर फॉर्म में वापसी की जिससे भारतीय टीम में शीर्ष तीन खिलाड़ियों ने 'परफेक्ट' शुरूआत दिलायी। लेकिन मध्यक्रम के लड़खड़ाने से भारतीय टीम सात विकेट पर 308 रन ही बना सकी जबकि एक समय वह 350 रन से आगे पहुंचने की ओर बढ.रही थी।

## सेहर ने आखिरी होल में बर्डी के साथ जीता डब्ल्यूपीजीटी के 10वें चरण का खिताब

**बेंगलुरु।** सेहर अटवाल ने दबाव की परिस्थितियों में आखिरी होल में बर्डी लगाकर हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 10वें चरण में सत्र का अपना पहला खिताब जीता। सेहर अपने पिछले दो टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी। यहां के प्रेस्टिज गोल्फशर में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन खिताब के चार दावेदार थे लेकिन सेहर ने आखिरी होल में बर्डी लगाकर पार 72 के कार्ड के साथ जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 का रहा। नयनिका सांगा (70) और नेहा त्रिपाठी (72) एक समान तीन अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे जबकि स्नेहा सिंह (72) दो अंडर 214 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रही।

## बेल्जियम को हराकर स्वीडन महिला यूरो के सेफा में

लीघ | एजेंसी

स्वीडन ने महिला यूरोपीय चैंपियनशिप में शुक्रवार को स्टॉपेज टाइम (90+2 मिनट) में गोल कर बेल्जियम को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना मेजबान देश इंग्लैंड से होगा। बेल्जियम की गोलकीपर निकी एवरार्ड ने लीघ स्पोर्ट्स विलेज में बारिश के बीच खेले गये मैच में कई शानदार बचाव किये लेकिन वह छह यार्ड की दूरी के लगाये गये लिडा सेम्ब्रेंट की किक को रोकने में विफल रही। पैंतीस साल की रक्षापंक्ति की खिलाड़ी सेम्ब्रेंट को क्वार्टर फाइनल मैच में मैदान पर उतरने का मौका इसलिए मिला क्योंकि टीम के कुछ खिलाड़ी कोरोना वायरस के चपेट में आ गये थे।

## मैकलॉघलिन ने 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया विश्व रिकार्ड

**यूजीन।** सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.68 सेकंड के समय के साथ अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार करते हुए शुक्रवार को यहां विश्व चैम्पियनशिप का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। इस 22 साल की धाविका ने ट्रैक पर अपना दबदबा कायम करते हुए बड़े अंतर से प्रतिर्स्पिधयों को पछाड़ा। यह लगातार चौथी बार है जब उन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड में सुधार किया है। नीदरलैंड की फेम्के बोल उनसे 1.59 सेकंड पीछे 52.27 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि गत विश्व चैंपियन दलिला मुहम्मद 53.13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही। दलिला सात साल पहले इस समय के साथ स्वर्ण पदक विजेता होती। मैकलॉघलिन ने अपनी स्पर्धा के बाद कहा, यह अविश्वसनीय लग रहा है। हेवर्ड स्टेडियम में मैकलॉघलिन ने बोल और दलिला को शुरुआती 150 मीटर के बाद पीछे छोड़ा और फिर अपनी बढ़त को मजबूत करते गयी। उन्होंने रेस पूरा करने के बाद घड़ी और स्कोरबोर्ड को देखा और कहा, 'यह शानदार है, शानदार है।' पदक समारोह के बाद विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने मैकलॉघलिन को एक लाख डॉलर (लगभग 80 लाख रुपये) का चेक प्रदान किया।

## पदक से चूकीं अन्नू रानी फाइनल में सातवें स्थान

यूजीन | एजेंसी

भारत की अन्नू रानी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ शुक्रवार को महिला भाला फेंक फाइनल में सातवें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते हुए अन्नू ने अपने दूसरे प्रयास में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन उनके अन्य पांच थ्रो 60 मीटर की दूरी को पार करने में विफल रहे। अन्नू ने अपने छह प्रयास में भाले को क्रमशः 56.18 मीटर, 61.12 मीटर, 59.27 मीटर, 58.14 मीटर, 59.98 मीटर और 58.70 मीटर दूर फेंका। इस 29 साल की खिलाड़ी का सत्र और व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.82 मीटर (राष्ट्रीय रिकॉर्ड) हैं। अन्नु इस स्पर्धा में अगर अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड को हासिल करती तो उन्हें पदक मिल जाता लेकिन उन्होंने यहां अपने पूरे अभियान के दौरान संघर्ष किया। इस राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी ने 59.60 मीटर के थ्रो के साथ क्वॉलिकेशन दौर में आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह पक्की की थी।

### ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने जीता सोना

**गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की केल्सी-ली बार्बर ने 66.91 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। अमेरिका की कारा विंगर ने अंतिम प्रयास में 64.05 मीटर की दूरी के साथ रजत अपने नाम किया, जबकि जापान की हारुका कितागुची ने 63.27 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य जीता। ओलिंपिक चैंपियन चीन की शियिंग लिउ 63.25 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ चौथे स्थान पर रही। वह 2019 में दोहा में पिछली विश्व चैंपियनशिप में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ फाइनल में आठवें स्थान पर रही थी। लंदन 2017 में वह फाइनल के लिए क्वॉलिफाइ नहीं कर सकी थी।**

### निगाहें अब नीरज चोपड़ा पर

**सभी की निगाहें अब भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर होंगी जो पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में जीते गए स्वर्ण पदक के प्रदर्शन को विश्व चैंपियनशिप में दोहराना चाहेंगे। चोपड़ा रविवार (भारतीय समयानुसार सुबह 07:05 बजे) फाइनल खेलेंगे। चोपड़ा के साथ इस स्पर्धा में रोहित यादव भी भारतीय चुनौती को पेश करेंगे।**

## 83 पर सिमटी टीम साउथ अफ्रीका : इंग्लैंड ने 118 रन से जीता मुकाबला

मैनचेस्टर | एजेंसी

साउथ अफ्रीका की टीम शनिवार को 3 मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों के समान बिखर गई। उसके बैट्समैन इंग्लैंड के 201 रनों के जवाब में 83 रन ही बना सके। वर्ल्ड चैंपियन ने साउथ अफ्रीका को वनडे क्रिकेट में दूसरी बार 83 के स्कोर पर आउट किया है। इससे पहले उसने ऐसा 2008 में नॉटिंघम में किया था। तब ग्रीम स्मिथ टीम की कप्तानी कर रहे थे। टीम की खराब बैटिंग का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसके टॉप-4 बैट्समैन महज 5 रन ही बना सके। इसमें से 3 को तो तेज गेंदबाज डेविड विली और टॉफली ने आउट किया। बाकी का काम स्पिनर्स ने कर दिया। आदिल राशिद ने 3 तो मोइन अली ने 2 विकेट झटके। टॉफली को भी दो विकेट मिले। गेंदबाजों के इस दमदार प्रदर्शन का इनाम इंग्लैंड को 118 रनों की बड़ी जीत के रूप में मिला। उसने वनडे क्रिकेट में तीसरी बार साउथ अफ्रीका को 100 से ज्यादा अंतर से हराया है। इस जीत से मेजबान टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। पहला मुकाबला साउथ अफ्रीका ने चेस्टर ली स्ट्रीट में 62 रनों से जीता था। सीरीज का निर्णायक मुकाबला 24 जुलाई को लीड्स में खेला जाएगा।202 रन के सामान्य से लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने बेहद खराब शुरूआत की। उसके टॉप-3 बैट्समैन रीस टॉफली और डेविड विली गेंदों के सामने ढेर हो गए।

**राशिद ने 3 व मोइन अली ने 2 विकेट झटके**

## व्यापार स्टार

## काफी टूट चुके हैं विदेशी तेलों के दाम

### किसानों के फायदे के लिए अब आयात शुल्क बढ़ाने की हो रही मांग

नई दिल्ली | एजेंसी

विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के कारण घरेलू बाजार में कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई हैं। शुक्रवार को सरसों व मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन, बिनौला और पामोलीन तेल कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। वहीं, आयातकों द्वारा नीचे भाव पर बिक्री नहीं किये जाने से सोयाबीन तेल और कच्चा पाम तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। मलेशिया एक्सचेंज आधा फीसदी कमजोर था, जबकि शिकागो एक्सचेंज में गिरावट के बाद फिलहाल स्थिरता है।

बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम इस कदर टूटे पड़े हैं कि आयातक बेहाल हैं। पिछले लगभग डेढ़ साल में विभिन्न किस्तों में सरकार ने आयात शुल्क काफी घटाया है। सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात को तो शुल्क मुक्त कर दिया है। दाम कम होने से खाद्य तेलों पर लगने वाला वस्तु एवं सेवा कर भी कम हो गया है। लेकिन बड़ी खाद्य तेल कंपनियों और छोटी मिलों द्वारा खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य में जो कमी की गई है, उसमें अभी भी काफी कटौती किये जाने की गुंजाइश है। इसलिए सरकार को तेल कंपनियों के एमआरपी की एक सीमा तय कर उसको कड़ाई से लागू कराना होगा।

### सरकार को मिलेगा राजस्व

सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेलों के आयात शुल्क को पहले की तरह बहाल कर देना चाहिए। इससे देश को राजस्व की भी प्राप्ति होगी और बाजार सस्ते आयातित तेल से पटने से बचेगा। स्थानीय किसानों को अपनी तिलहन उपज बेचने के लिए सस्ते आयातित तेल से प्रतिस्पर्धा नहीं करनी होगी। वे अपना तिलहन उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित होंगे।

### श्रीलंका के रास्ते पर पाकिस्तान और नेपाल की इकोनॉमी

**नई दिल्ली**। अपनी गलत नीतियों के चलते श्रीलंका की अर्थव्यवस्था तबाह हो गई है। इस देश का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो चुका है और महंगाई आसमान पर है। सरकार के पास वस्तुएं आयात करने और अपने कर्जों का ब्याज चुकाने के पैसे नहीं है। यहां तक कि भारी विरोध प्रदर्शनों के चलते श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा था। दरअसल, श्रीलंका की अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयात पर आधारित है। विदेशी मुद्रा भंडार के खाली हो जाने से वहां की इकोनॉमी चरमरा गई। श्रीलंका ना तो वस्तुएं आयात कर सका और ना ही लोन का पुनर्भुगतान कर सका। अब कहा जा रहा है कि हमारे दो और पड़ोसी देश पाकिस्तान और नेपाल भी श्रीलंका की राह पर हैं। आइए आंकड़ों पर नजर डालते हैं। श्रीलंका की तरह ही पाकिस्तान में भी महंगाई कहर ढा रही है। यहां महंगाई दर 21 फीसदी से अधिक हो गई है।

## गलगोटियाज विवि का छठवां दीक्षांत समारोह संपन्न

नई दिल्ली। गलगोटियाज विश्वविद्यालय के द्वारा शनिवार को छटे दीक्षांत समारोह का भव्य रूप से आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री ब्रजेश पाठक उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं सम्मानित अतिथि के रूप में गिरीश चंद्र त्रिपाठी अध्यक्ष उच्च शिक्षा परिषद उत्तर-प्रदेश, डॉ. महेश शर्मा सांसद लोकसभा, तेजपाल सिंह नागर सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश, धीरेन्द्र सिंह सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश, एचई एहमद सुले उच्चायुक्त नाइजीरिया और एचई मुस्तफा जवारा उच्चायुक्त गाम्बिया शामिल हुए। कुलपति द्वारा कार्यक्रम को आरंभ किया गया। कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर प्रीति बजाज ने उर्तीण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम अपने छात्रों को शैक्षिक विकास के साथ साथ सामाजिक एवं व्यावहारिक विकास भी प्रदान करते हैं। साथ ही साथ भारत सरकार से जुड़े हुए अनेकों कार्यक्रमों जैसे बालिका सुरक्षा कवच, जेंडर इश्यू, स्वच्छ भारत अभियान, इंटरनेशनल यूथ फेस्टिवल, योगा डे, फिट इंडिया मोमेंट, खेलो इंडिया, एड्स अवेयरनेस प्रोग्राम आदि कार्यक्रमों से छात्रों को अवगत कराते हैं।

# खूबसूरती में आजकल की अभिनेत्रियों को मात देती हैं रेखा

67 वर्षीय अभिनेत्री रेखा की खूबसूरती आज भी देखते ही बनती है। उनके देखकर ऐसा लगता है कि जैसे उनकी उम्र थम सी गई हो। आजकल की अभिनेत्रियों को भी वो मात देती दिखती हैं। ये उनका जादू है कि जहां कहीं भी जाती हैं उन पर ही निगाहें टिक जाती हैं। हाल ही में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की मां का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान रेखा भी पहुंची थीं। रेखा को कई बार मनीष मल्होत्रा के स्टोर पर देखा जाता रहा है, जहां पपराजी उन्हें स्पॉट करते हैं। लेटेस्ट तस्वीरें मनीष मल्होत्रा ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उनकी मां का जन्मदिन सेलिब्रेशन था। तस्वीरों में रेखा के साथ उनकी मैनेजर फरजाना भी नजर आईं। मनीष मल्होत्रा ने कैप्शन में लिखा- 'बर्थडे सेलिब्रेशन जारी है... गर्मजोशी और प्यार के साथ... मॉम, रेखा जी, फरजाना। आप सभी के प्यार और दुआओं के लिए शुक्रिया।'

# गायक भूपिंदर सिंह की कमी खलेगी

बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर भूपिंदर सिंह का निधन हो गया है। वरिष्ठ गायक भूपिंदर सिंह का मुंबई के अस्पताल में निधन हुआ। वह पिछले कुछ समय से मूत्र संबंधी समस्याओं सहित कई स्वास्थ्य जटिलताओं से पीड़ित थे। फिल्ममेकर अशोक पंडित ने एक ट्वीट करते हुए लिखा, गायक और गिटारवादक भूपिंदर सिंह का निधन फिल्म उद्योग विशेषकर संगीत जगत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उनकी पत्नी मिताली और पूरे परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। उनके गीतों के माध्यम से उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ओम शांति! म्यूजिक डायरेक्टर विशाल ददलानी ने ट्वीट करते हुए लिखा उनकी आवाज ही पहचान है, और हमें हमेशा याद रहेगी। अमृतसर में जन्मे भूपिंदर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है। भूपिंदर सिंह को 'मौसम', 'सत्ते पे सत्ता', 'अहिस्ता अहिस्ता', 'दूरियां', 'हकीकत' और कई अन्य फिल्मों में उनके यादगार गीतों के लिए याद किया जाता है। उनके कुछ प्रसिद्ध गीतों में 'होके मजबूर मुझे, उसने बुलाया होगा', (मोहम्मद रफी, तलत महमूद और मन्ना डे के साथ), 'दिल ढूंढता है', 'दुक्की पे दुक्की हो या सत्ते पे सत्ता' आदि हैं।

# कैमियो की भूमिका में नजर आ सकते हैं कार्तिक

बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन भी लव रंजन की आने वाली फिल्म में रणबीर और श्रद्धा के साथ नजर आयेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्तिक इस फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस दे सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक आर्यन फिल्म में एक कैमियो रोल करेंगे। यही नहीं, वह रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर के साथ एक सीन शेयर करते भी दिखाई देंगे।

सूत्र ने दावा किया- 'कार्तिक और लव रंजन एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और काफी अच्छे दोस्त हैं। इसलिए जब लव रंजन के दिमाग में यह विचार आया तो अभिनेता ने भी इसके लिए हामी भर दी।' रिपोर्ट में आगे कहा गया है 'कार्तिक इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। कार्तिक वाले सीन में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर भी होंगे। लव रंजन के अलावा कार्तिक रणबीर कपूर के साथ भी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं।' हालांकि, अभी तक इसे लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बता दें, कार्तिक आर्यन ने लव रंजन की प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, आकाष वाणी और सोनू के टीटू की स्वीटी में काम किया है।

# न्यूड फोटोशूट करवाकर रणवीर सिंह ने उर्फी जावेद को भी कर दिया फेल

एक्टर रणवीर सिंह अपने फैशन सेंस की वजह से अक्सर चर्चा में रहते हैं। लोग अक्सर रणवीर को उनके अतरंगी ड्रेसिंग स्टाइल के लिए ट्रोल भी करते हैं। लेकिन एक्टर वही करते हैं जो उन्हें अच्छा लगता है। हाल ही में रणवीर अपने लेटेस्ट फोटोशूट के कारण खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। जी हाँ, रणवीर ने एक मैगनीज के लिए न्यूड फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों को जो भी देख रहा है उसकी आँखें खुली की खुली रह गईं। इन फोटोज़ ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है।

### मैगजीन के लिए हुए न्यूड

रणवीर सिंह ने एक पॉपुलर मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट किया है। इन तस्वीरों में रणवीर पूरी तरह बिना कपड़ों के नज़र आ रहे हैं। रणवीर ने इस फोटोशूट से सबको हैरान कर दिया है। हालाँकि, इन तस्वीरों में रणवीर काफी कॉन्फिडेंट नज़र आ रहे हैं। फोटोज़ में रणवीर अपनी मस्क्यूलर बॉडी को जबरदस्त तरीके से फ्लॉन्ट करते नज़र आ रहे हैं। रणवीर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद कुछ लोग एक्टर की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। वहीँ, कुछ लोग तो इन तस्वीरों को सच मानन से ही इंकार कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये तस्वीरें फेक हैं।

इन तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ लोग रणवीर की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ यूजर्स उनके मज़े ले रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'लगता है कि दीपिका ने अलमारी को लॉक कर दिया है।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'देख रहा है ना बिनोद। कैसे नंगा फ़ंगा फोटोशूट करवा के Male kim kardashian बनने की कोशिश कर रहा है।' एक यूजर ने लिखा- 'भाई क्या कर रहा है तू।' अगर वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर जल्द ही 'अंदाज अपना अपना 2', 'सर्कस', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'तख्त' और 'सिम्बा 2' फिल्मों में दिखने वाले हैं।

# ललित मोदी संग रिलेशन की खबरों के बीच सुष्मिता ने शेयर की सुपरबोल्ड फोटो, कैप्शन में लिखा - आई लव यू

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते काफी सुर्ख़ियों में हैं। जब से बिजनेसमैन ललित मोदी और सुष्मिता सेन के रिलेशनशिप की खबर ऑफिशियल हुई है, तब से सोशल मीडिया पर दोनों के ही चर्चे हैं। हाल ही में सुष्मिता सेन ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहद बोल्ड तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। एक्ट्रेस का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। सुष्मिता सेन अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक सेल्फी पोस्ट की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस काफी खुश दिखाई दे रही है। इस तस्वीर में सुष्मिता ने नीले कलर का फ्रंट कट टॉप पहना हुआ है और सनग्लासेज लगाए हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सुष्मिता ने कैप्शन में फैंस के लिखा है, आई लव यू दोस्तों। फैंस को सुष्मिता की यह तस्वीर और उनका कैप्शन खूब पसंद आ रहा है। सुष्मिता सेन ने यह पोस्ट शेयर करके यह साफ़ कर दिया है कि वे अपनी पर्सनल लाइफ में काफी खुश हैं और उन्हें दूसरों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। एक्ट्रेस अपनी लाइफ को खुलकर इंजॉय कर रही हैं और फैंस को सुष्मिता का ये बेबाक अंदाज सबसे ज़्यादा पसंद है। गौरतलब है कि जबसे ललित मोदी ने सुष्मिता सेन के साथ रिलेशन में होने को लेकर खुलासा किया है तभी से लोग सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल करने लगे। ट्रोलर्स लगातार सुष्मिता को 'गोल्ड डिगर' कह रहे थे। ट्रोलर्स का कहना है कि सुष्मिता सेन पैसों के लिए ललित मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं। जिसके बाद सुष्मिता सेन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और ट्रोल करने वालों पर पलटवार किया।

# कंगना के बाद अनुपम खेर का फिल्म 'इमरजेंसी' से पहला पोस्टर रिलीज

कुछ दिनों पहले कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के एक छोटे से टीजर ने तहलका मचा दिया था। कंगना का लुक देखकर लोग हैरान रह गये थे। अब दिग्गज एक्टर अनुपम खेर का भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और राजनीतिक नेता जयप्रकाश नारायण के रूप में उनका पहला पोस्टर रिलीज हुआ है। जयप्रकाश नारायण के रूप में अनुपम खेर दमदार लग रहे हैं। अभिनेता आगामी फिल्म इमरजेंसी में जयप्रकाश नारायण की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। अनुपम खेर अपने करियर की 527वीं फिल्म के साथ वापस आ गए हैं। इससे पहले उन्होंने द कश्मीर फाइल्स में अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था। अनुपम ने 22 जुलाई को ट्विटर पर फिल्म इमरजेंसी से अपना पहला लुक साझा किया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह इस निडर विद्रोही की भूमिका निभाने पर गर्व महसूस करते हैं।

### अनुपम खेर का इमरजेंसी से पहला लुक

अनुपम खेर ने 22 जुलाई को आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर आगामी फिल्म इमरजेंसी से जयप्रकाश नारायण के रूप में अपना पहला लुक साझा किया। पोस्टर में वह सफेद बाल और चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। पोस्टर को साझा करते हुए, अनुपम ने एक नोट लिखा, 卐निडर होकर सवाल करने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाने के लिए खुश और गर्व, शब्द के सही अर्थों में एक विद्रोही, #KanganaRanaut स्टारर और निर्देशन में #Emergency। मेरी 527वीं फिल्म जय हो! #JP #लोकनायक।

जयप्रकाश नारायण एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता, सिद्धांतवादी, समाजवादी और राजनीतिक नेता थे। उन्हें 1970 के दशक के मध्य में प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए याद किया जाता है, जिन्हें उखाड़ फेंकने के लिए उन्होंने पूर्ण क्रांति का आह्वान किया था।

# कटरीना कैफ की भाभी बनेंगी इलियाना डिक्रूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने हाल ही में अपना 39वां जन्मदिन मनाया। कटरीना कैफ के बर्थडे पर वो अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ मालदीव में एन्जॉय करती नजर आईं। वायरल फोटोज में कटरीना कैफ के साथ उनके पति व अभिनेता विकी कौशल, देवर सनी कौशल, दोस्त मिनी माथुर, भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल, आनंद तिवारी और एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज नजर आ रहे हैं। इन फोटोज के सामने आने से खबरों का बाजार गर्म हो गया है कि इलियाना डिक्रूज, कटरीना कैफ की भाभी बन सकती हैं। सोशल मीडिया पर कटरीना के भाई सेबेस्टियन और इलियाना की तस्वीरों के वायरल होने के साथ ही ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे के साथ बीते 6 महीने से रिलेशनशिप में हैं। बता दें कि कटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल, यूके के मॉडल हैं। सेबेस्टियन और इलियाना न सिर्फ एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं, बल्कि बीते कुछ वक्त से कटरीना के बांद्रा वाले पुराने घर में साथ वक्त बिता रहे हैं। ऐसे में इन तस्वीरों के सामने आने से एक बार फिर खबरों का बाजार गर्म हो गया है, हालांकि आधिकारिक तौर पर इस बारे में भी कुछ भी कहना मुश्किल है।

# कश्मीर में हाइब्रिड आतंकवाद बना चुनौती

## पाकिस्तान ने सोशल मीडिया को भी बनाया हथियार

**श्रीनगर, (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं का चेहराविहीन आतंकवाद और उन्हें शिक्षित करना कश्मीर में एक चुनौती है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि सशस्त्र बल ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है और पाकिस्तानी एजेंसियों की योजनाओं को विफल कर देंगे। सिंह ने कहा कि जो कोई भी इस फेसलेस आतंकवाद का हिस्सा बनता है, वह लंबे समय तक अज्ञात या गुमनाम नहीं रहता है और उसे दंडित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह चेहराविहीन आतंकवाद (हाईब्रिड आतंकवाद) पाकिस्तानी एजेंसियों और उनके आकाओं द्वारा विशेष रूप से निर्दोष नागरिकों को मारने के लिए आविष्कार किया गया एक नया रणनीतिक कदम है। वे चाहते हैं कि पाप किया जाए, लेकिन पापी का पर्दाफाश नहीं होना चाहिए। अच्छी बात यह है कि पापी के लिए गुमनाम रहने या पहचान छुपाने के लिए कोई जगह नहीं है। जो पापी इस फेसलेस आतंकवाद और भूमिगत मॉड्यूल का हिस्सा बन गए थे, वे बेनकाब हो गए थे। बेगुनाहों की हत्या में शामिल लोगों से सख्ती से निपटा गया और उनमें से कई को ऑपरेशन में खत्म भी कर दिया गया। आतंकवाद सभी को प्रभावित करता है और इसलिए इस पर ध्यान दिया जा रहा है। सेना इससे और सख्ती से निपटेगी। इस नई रणनीति का मुकाबला करने पुलिस बल सुसज्जित है और अन्य सुरक्षा बल भी सभी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मई में और जून के पहले दो हफ्तों में नागरिकों, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मियों और अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों सहित कई लोगों की टारगेट बनाकर हत्या कर दी गई।

### पाकिस्तानी एजेंसियां फैलाना चाहती हैं यहां गंदगी

दिलबाग सिंह अनंतनाग जिले में एक समारोह के इतर बोल रहे थे। उन्होंने महिला अधिकारियों के अधीन एक पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया, जो दक्षिण कश्मीर रेंज के लिए होगा। उन्होंने पाकिस्तान पर कश्मीर में किशोरों को बहकाने और सोशल मीडिया के माध्यम से आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए उन्हें जोड़-तोड़ करने का भी आरोप लगाया। पाकिस्तानी एजेंसियां यहां गंदगी फैलाना चाहती हैं और युवाओं और कश्मीर के समाज को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। वे सोशल मीडिया के जरिए ऐसा कर रहे हैं, इससे कश्मीर को ज्यादा नुकसान हुआ है।

# जेएनएयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम को नहीं मिली राहत

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के कथित षड्यंत्र से संबंधित मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ( जेएनयू) के पूर्व छात्र शरजील इमाम को अंतरिम जमानत देने से इंकार कर दिया है। शरजील इमाम के अंतरिम जमानत की याचिका पर सुनवाई करते हुए 20 जुलाई को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

**अंतरिम जमानत की याचिका खारिज**

शरजील के खिलाफ सीएए-एनसीआर के विरोध के दौरान 2019-2020 में अलीगढ़ मुस्लिम विवि और जामिया मिल्लिया इस्लामिया में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से टिप्पणी किए जाने के बाद शरजील इमाम ने 27 मई को अंतरिम जमानत के लिए निचली अदालत का रुख किया था।

# पंजाब में हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली के लिए सर्कुलर जारी

**चंडीगढ़, (एजेंसी)।** पंजाब सरकार ने दिल्ली की तरह ही इस राज्य के लोगों को मुफ्त बिजली देने का वादा पूरा किया है। पंजाब की आप सरकार ने यहां की जनता को फ्री बिजली देने के लिए सर्कुलर जारी कर दिया है। इस सर्कुलर के तहत हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। इसी तरह एक बिल में 600 यूनिट फ्री दी जाएगी।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) ने मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। आखिरकार भगवंत मान सरकार ने पंजाब के लोगों को मुफ्त बिजली देने का फैसला ले लिया, जो उन्होंने पूरा करके दिखा दिया है। फ्री बिजली देने का सर्कुलर जारी कर पंजाब की आप सरकार अपने वादे पर खरी उतरी है। सर्कुलर में कहा गया है कि पंजाब की जनता को हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। इसमें एक बिल में 600 यूनिट फ्री देने का प्रावधान ही है, इसके साथ ही जनरल वर्क के 600 से ज्यादा यूनिट आने पर सभी यूनिट का खर्चा उपभोक्ता को देना पड़ेगा। इसमें एससी, बीसी स्वतंत्रता सेनानी और जिन लोगों को पहले 200 यूनिट फ्री बिजली का लाभ मिल रहा था, वो भी फ्री बिजली के हकदार होंगे।

## एक्सप्रेस न्यूज

### अवैध बालू खनन के दौरान एक मजदूर की मौत

**पटना, (एजेंसी)।** पटना-भोजपुर जिले की सीमा से लगे बिहटा के सुंरौधा के निकट सोन नदी में बालू खुदाई के दौरान शनिवार को एक मजदूर की मौके पर ही दबकर मौत हो गई तथा पाच अन्य घायल हो गए। अवैध रूप से बालू उत्खनन के दौरान यह दुर्घटना हुई। जब मजदूर बालू उत्खनन कर रहे थे, तभी बालू का टीला ढह गया। इस दुर्घटना में एक मजदूर की दबकर मौत हो गई, जबकि पाच अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान पटना जिले के मनेर के धजवा टोला के रहने वाले स्व. शिवपूजन राय के पुत्र रामकुमार राय के रूप में की गई है।

### सारण में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, भाई घायल

**छपरा, (एजेंसी)।** बिहार में सारण जिले के कोपा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई तथा भाई घायल हो गया। शुक्रवार देर रात जिले के नगर थाना क्षेत्र के मौना हुस्से छपरा मुहल्ला निवासी बलि सिंह के दो पुत्र गुलशन कुमार और राहुल कुमार सीवान से अपने घर मोटरसाइकिल से लौट रहे थे। पियानो गांव के समीप मोटरसाइकिल में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे दोनों भाई घायल हो गए। उनको छपरा सदर अस्पताल भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना भेजा, पटना में इलाज के दौरान गुलशन की मौत हो गई।

### बांग्लादेश की संसद के डिप्टी स्पीकर का निधन

**ढाका, (एजेंसी)।** बांग्लादेश की संसद के डिप्टी स्पीकर एडवोकेट मोहम्मद फजल रब्बी मियां का शनिवार तड़के न्यूयार्क में निधन हो गया। लंबे समय से कैंसर से पीड़ित फजल का न्यूयार्क के माउट सिनाई अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां करीब दो बजे उनका निधन हो गया। फजल रब्बी ने 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाक सेना के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा लिया था। वह 2008, 2014 व 2018 के संसदीय चुनाव में निर्वाचित हुए थे।

### ।। आज का इतिहास ।।

- **1758**: अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन उत्तरी अमेरिका की पहली असेंबली वर्जीनिया हाउस ऑफ बर्जेसेज में शामिल हुए।
- **1783**: जॉर्जिया को रूस का संरक्षक बनाया गया।
- **1793**: फ्रांस ने कॉपीराइट कानून बनाया।
- **1823**: चिली में दास प्रथा को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया गया।
- **1834**: पुर्तगाल में लिबरल युद्ध समाप्त हुआ।
- **1870**: अमेरिका में पहली अंतरदेशीय रेल सेवा की शुरुआत।
- **1890**: सोवा बाजार क्लब ने पहली बार किसी इंग्लिश फुटबाल टीम (ईस्ट सरे) के खिलाफ जीत दर्ज की।

## मेरठ में कांवड़ खंडित होने पर मचा बवाल

# कांवड़ियों ने आरोपी को पीटा तीन घंटे तक किया हंगामा

**मेरठ, (एजेंसी)।** यूपी के मेरठ में कांवड़ खंडित किए जाने को लेकर बवाल हो गया। कांवड़ खंडित होने के बाद कांवड़ियों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान गुस्साए कांवड़ियों ने एक गाड़ी को भी निशाना बनाया। पुलिस के पहुंचने पर कावड़िए धरना देकर बैठ गए। तीन घंटे तक हंगामा होता रहा। इसके बाद डीएम दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण मौके पर पहुंचे और किसी तरह कांवड़ियों को शांत कराया। चार पुलिसकर्मियों को कांवड़िए के साथ हरिद्वार भेजा जा रहा है। एक युवक को हिरासत में लिया गया है जो दूसरे समुदाय के बताए जा रहे हैं।

राजस्थान के जिला भरतपुर अंतर्गत ग्राम सीकरी से 35 कांवड़ियों का एक जत्था हरिद्वार से जल लेकर गंतव्य की ओर बढ़ रहा था। शनिवार सुबह कांवड़ियों का यह जत्था बाईपास पर कृष्णा

पब्लिक स्कूल चौकी के पास एक शिविर में ठहरा हुआ था। कावड़िए अंदर विश्राम कर रहे थे और बाहर ग्रुप लीडर योगेश कांवड़ की देखरेख कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान वहां से गुजरे बाइक सवार दो युवकों ने इन कांवड़ियों की विशाल कावड़ को खंडित कर दिया। यह देख योगेश ने शोर मचा दिया और बाइक सवार एक आरोपी को दबोच लिया। देखते ही देखते कांवड़ियों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने आरोपी युवक को जमकर पीटना शुरू कर दिया।

### पुलिस पहुंची तो कांवड़िए उनसे भिड़ गए

पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो कावड़िए उनसे भी भिड़ गए। हाईवे पर बखेड़ा खड़ा हो गया। पुलिसकर्मी आरोपी को भीड़ से बचाकर चौकी के अंदर ले गए। इसी दौरान आक्रोशित कांवरियों ने पुलिस चौकी में भी तोड़फोड़ कर दी। चौकी के बाहर खड़ी हेड कांस्टेबल कुशवेंद्र की कार में भी तोड़फोड़ कर दी गई। बवाल की सूचना पर डीएम दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण मौके पर पहुंचे और कावड़ियों की मान मनोबल में जुट गए।

### जैसे-तैसे पुलिस ने व्यवस्था को सामान्य कराया

अथक प्रयासों के बाद कावड़िए शांत हुए। मुकदमे के आदेश किए गए। चार पुलिसकर्मियों को कांवड़ियों के इस जत्थे के साथ हरिद्वार कांवड़ लाने रवाना किया है। यह पुलिसकर्मी जब तक जत्थे में शामिल रहेंगे, जब तक वह यहां से शाम को रवाना नहीं हो जाते। करीब तीन घंटे तक हाइवे पर हंगामा होता रहा। मामला शांत होने के बाद जैसे-तैसे पुलिस प्रशासन ने व्यवस्था को सामान्य कराया।

### अज्ञात कांवड़ियों के खिलाफ भी मुकदमे की तैयारी

एसपी सिटी विनीत भटनागर ने बताया कि क्षेत्रीय कुछ लोग इस मामले में चिन्हित किए गए हैं, जिन्होंने कांवड़ियों को भड़काने का काम किया था। इन लोगों के अलावा उपद्रव मचाने वाले अज्ञात कावड़ियों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

### तिलक को श्रद्धांजलि

शनिवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

# डब्ल्यूएचओ ने किया मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, भारत में मिला तीसरा मामला

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि 70 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स का प्रसार एक वैश्विक आपात स्थिति है। दुनिया भर में मंकीपॉक्स के अब तक करीब 15 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। मंकीपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित दक्षिण अफ्रीका है, जहां यह 70 से अधिक लोगों की जान ले चुका है।

दुनिया भर में मंकीपॉक्स के अब तक 15 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। मंकीपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित दक्षिण अफ्रीका है, जहां मंकीपॉक्स का अधिक गंभीर प्रकार 70 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि अफ्रीका के बाहर मिले मंकीपॉक्स के 99 फीसदी मामले पुरुषों से जुड़े हैं, इसमें भी 98 फीसदी मरीज वे पुरुष हैं जिन्होंने किसी पुरुष से यौन संबंध बनाया। हालांकि यह उस व्यक्ति को हो सकता है, जो मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी से निकट शारीरिक संपर्क में है।

**केरल में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया:** केरल में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया है। जुलाई की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटे एक 35 वर्षीय युवक में मंकीपॉक्स के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इससे पहले, भारत में मंकीपॉक्स का दूसरा मामला केरल के कन्नूर जिले में दर्ज किया गया था। 13 जुलाई को दुबई से कन्नूर लौटे शख्स में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

# मोदी सरकार ने पीएम-उदय योजना में किया बड़ा बदलाव

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही पीएम-उदय योजना में बड़ा बदलाव किया गया है। दरअसल, केंद्र सरकार ने पीएम-उदय योजना के तहत बेनिफिट पाने के लिए जरूरी दस्तावेजों की प्रक्रिया सरल करते हुए 'वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज के दायरे से बाहर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

**ये दस्तावेज अब नहीं होगा जरूरी**

दिल्ली विकास प्राधिकरण ( डीडीए) ने एक बयान में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत अप्लाई करने वाले करीब 1,500-2,000 लोग यह मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे थे। पीएम-उदय योजना के तहत लाभ पाने के लिए अभी तक वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज माना जाता था।

**मकान का मालिकाना हक देने के लिए है स्कीम:** केंद्र सरकार ने दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों में रहने वाले लोगों को मकान का मालिकाना हक देने के लिए पीएम-उदय योजना चलाई थी। इसके लिए वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज माना गया था। डीडीए ने कहा कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने पीएम-उदय योजना के तहत दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों के निवासियों को फायदा पहुंचाने के लिए वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज से बाहर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

**पेंडिंग मामलों के निपटारे में तेजी आएगी:** इस संशोधन के बाद मालिकाना हक के लिए उस भूखंड से जुड़ी वसीयत अनिवार्य नहीं रह गयी है। इससे पेंडिंग मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और प्रक्रिया को भी सरलीकृत किया जा सकेगा। डीडीए ने इस बयान में यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना का लाभ पाने के लिए 'पॉवर ऑफ अटॉर्नी' या बिक्री करार के स्थान पर 'पंजीकृत गिफ्ट डीड' को भी जमा करने की मंजूरी दे दी गई है।

# नहरों में जल की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश

**प्रयागराज (ब्यूरो)।** मंत्री, जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उप्र स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण/लघु सिंचाई/भूगर्भ जल विभाग एवं जल जीवन मिशन की योजनाओं तथा बाढ़ सुरक्षा संबंधी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। मंत्री ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग (नहरों) के अधिकारियों को गंगापार एवं यमुनापार क्षेत्र के नहरों के संचालन एवं पानी की उपलब्धता तथा नहरों में टेल तक पानी के पहुंचने की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि खरीफ की फसल को देखते हुए नहरों में पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित रहे तथा नहरों में टेल तक अनिवार्य रूप से पानी पहुंचे। लघु डाल नहर के संचालन की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने निर्देशित किया कि यमुना नदी से लिफ्ट कर नहर में पानी पहुंचाने के लिए लगाए गए पंपों को क्रियाशील स्थिति में बनाए रखते हुए पर्याप्त मात्रा में नहर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित रहे, जिससे कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

# प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद को किया नमन

**प्रयागराज (ब्यूरो)।** अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर चंद्रशेखर आजाद पार्क में उनकी प्रतिमा पर जलशक्ति मंत्री, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, मण्डलायुक्त, आईजी, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने माल्यार्पण करते हुए नमन किया

इस अवसर पर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में विभिन्न कार्यक्रमों आयोजित किए गए। मंत्री जल शक्ति स्वतंत्र देव सिंह, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, मण्डलायुक्त संजय गोयल, आईजी राकेश सिंह, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पाण्डेय सहित अन्य लोगों ने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उनको नमन किया। उप्र सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा 21 गन शाट फायर कर सम्मान गारद द्वारा सलामी व पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रभक्ति ध्वनि बजाकर अमर शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट किया।

## अफगानिस्तान में तालिबानियों की क्रूरता बरकरार

# युवक की गोली मारकर हत्या कर बाजार में लटकाया शव

**काबुल ■ एजेंसी**

अफगानिस्तान में तालिबान की बर्बरता जारी है। अंदराब जिले के बगलान में तालिबानियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या दी और उसका शव बाजार में लटका दिया। लोकल मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोग उसका शव लेकर वापस गए और इस मामले में तालिबान की क्रूरता पर सवाल भी खड़े किए।

रिपोर्ट में बताया गया कि तालिबानी 20 जुलाई को अंदराब के कासा तारश इलाके में रहने वाले युवक के घर जा पहुंचे। उन्होंने युवक पर घर से बाहर आने के लिए दबाव डाला और फिर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों ने कहा कि तालिबानियों ने जिला भवन के सामने जमा हुए लोगों को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग भी की।तालिबान की ओर से की जा रही मनमानी हत्याओं को लेकर एनएएमए की रिपोर्ट पब्लिश हुई है। इसमें बताया गया है कि तालिबान अपने करार को लेकर प्रतिबद्ध नहीं है।

पिछले 10 महीनों में दसियों पूर्व सुरक्षा बलों और कर्मचारियों की हत्या हुई है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तालिबान से अपनी उन नीतियों को तुरंत बदलने का आह्वान किया है, जिनके तहत अफगान महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों एवं उनकी मौलिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष इकाई ने देश में अस्थिर स्थिति, वहां जारी आतंकवादी हमलों पर अपनी चिंता व्यक्त की है। अफगानिस्तान में नागरिकों, असैन्य बुनियादी ढांचे और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर किए जाने वाले आतंकवादी हमलों भी चिंता जाहिर की गई।

## सियासत — सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चाचा शिवपाल और राजभर को दो टूक

# जहां मिले सम्मान, वहां चले जाइए

**लखनऊ ■ ब्यूरो**

यूपी विधानसभा चुनाव के बाद से सपा गठबंधन में पड़ी दरार बढ़ती जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव में भी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव और सोहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चीफ ओमप्रकाश राजभर की क्रास वोटिंग से सपा नाराज है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब शिवपाल और राजभर को आजाद कर दिया है।

समाजवादी पार्टी ने शनिवार को शिवपाल और ओपी राजभर को अलग-अलग पत्र जारी कर कहा कि अगर आपको लगता है कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहीं जाइए, आप जहां चाहे जाने के लिए स्वतंत्र हैं। राजभर को पत्र जारी कर सपा ने लिखा कि ओमप्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी लगातार भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ रही है। आपका भाजपा के साथ गठजोड़ है और लगातार भाजपा को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर आपको लगता है, कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहां जाने के लिए आप स्वतंत्र हैं।

**राजभर ने कहा- तलाक का स्वागत:** सपा के लेटर पर अब ओम प्रकाश राजभर का बयान सामने आया है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के तलाक का स्वागत है। मैं कहता रहा, लड़ता रहा, लेकिन कुछ हुआ नहीं। अखिलेश अपनी मर्जी से काम करते हैं। राजभर ने आगे कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में सब कुछ साफ हो जाएगा।

**हमारी चिट्ठी के कारण सपा में हुई क्रॉस वोटिंग: शिवपाल:** सपा विधायक शिवपाल यादव ने कहा है कि उनकी लिखी चिट्ठी के कारण सपा में क्रॉस वोटिंग हुई। पक्के समाजवादियों पर उनकी चिट्ठी का असर हुआ है। इसी कारण सपा विधायकों ने मुर्मू के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की। उन्होंने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नेताजी मुलायम सिंह को आईएसआई का एजेंट बताया था। ऐसे में हम उन्हें कभी भी समर्थन नहीं कर सकते।

# जनता दर-दर भटकने को मजबूर : यादव

**लखनऊ (ब्यूरो)।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग में बदहाली से जनता दर-दर भटकने को मजबूर है।

भाजपा सरकार कागजी विकास की गंगा बहाने में तो माहिर है किंतु विकास को धरातल पर उतारने में उसकी रुचि नहीं है। यूपी में टार्च से इलाज, मरीज के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रतापगढ़ के प्रताप बहादुर अस्पताल में बिजली कटौती से टार्च की रोशनी में मरीज को टांके लगने की खबर सुर्खियों में है। गोरखपुर में ध्वस्त स्वास्थ्य व्यवस्था के तहत एक गर्भवती महिला ने जान गंवा दी। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में गर्भवती महिला को 4 घंटे तक इलाज नहीं मिल सका। अंततः उसने दमतोड़ दिया।

# आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन आईसीओएनआईसी सप्ताह संपन्न

## स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

**प्रयागराज (ब्यूरो)।** आजादी के 75वीं वर्षगांठ को एक उत्सव की भांति मनाने 75 सप्ताह पहले आजादी का अमृत महोत्सव का आगाज हुआ। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में भारतीय रेल ने 18 से 23 जुलाई तक आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन आईसीओएनआईसी सप्ताह समारोह आयोजित किया।

समापन समारोह शनिवार को अपर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे रंजन यादव की अध्यक्षता में प्रयागराज जंक्शन पर संपन्न हुआ। शुभारंभ अपर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे रंजन यादव एवं मंडल रेल प्रबंधक, मोहित चंद्रा द्वारा चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत अपर महाप्रबंधक रंजन यादव एवं मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के उपस्थित परिवारजन - सुभाष तिवारी क्रांतिकारी स्व. रमेश मालवीय के भतीजे, भानु मिश्र क्रांतिकारी लल्लन मिश्र के नाती, मदन मोहन मिश्र स्व. रंजीत सिंह उर्फ सुधीर मिश्र के लड़के, विवेक निराला महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के प्रपौत्र, पूर्णिमा सिंह गहलौत भतीजी लेखक स्व. बीएस गहलौत, हानि क्लाउडियस व वीरेंद्र पाठक को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।